राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 15, अंक 65 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, सोमवार 12 जनवरी 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

डीएमके ने ठुकराई कांग्रेस की मांग; कहा- सत्ता साझेदारी का सवाल ही नहीं

दिंडीगुल (तमिलनाडु)। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के वरिष्ठ नेता और राज्य मंत्री आई. पेरियासामी ने रविवार को तमिलनाडु में गठबंधन सरकार की संभावना को खारिज किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन अपने सहयोगियों के साथ सत्ता साझेदारी के पक्ष में नहीं हैं। पेरियासामी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सत्ता में हिस्सेदारी की मांग करना तमिलनाडु कांग्रेस का अधिकार है। लेकिन डीएमके हमेशा इस तरह की मांग के पक्ष में नहीं रही है। उन्होंने कहा, कभी भी गठबंधन सरकार नहीं बनी। राज्य हमेशा का नेतृत्व हमेशा डीएमके ने ही किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी इस रुख पर अड़िग है और मुख्यमंत्री इस पर स्पष्ट हैं कि कोई गठबंधन सरकार नहीं होगी। तमिलनाडु कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन के जीतने पर सत्ता में हिस्सेदारी की मांग दोहराई है। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने हाल ही में कहा था कि अब सत्ता में हिस्सेदारी पर चर्चा करने का समय है।

तमिलनाडु कांग्रेस ने कहा है कि अगर गठबंधन जीतता है तो उन्हें सत्ता में हिस्सा मिलना चाहिए। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने हाल ही में कहा कि अब इस पर चर्चा करने का समय है। इकिलीयूर (कन्याकुमारी जिला) के विधायक एस. राजेश कुमार ने भी गठबंधन सरकार के पक्ष में बात की। कांग्रेस प्रभारी गिरीश चोडंकर ने कहा कि अगर कोई पार्टी सत्ता नहीं चाहती तो खुद को एनजीओ कहे। इतिहास में गठबंधन सरकारें बनीं या नहीं?

1967 से डीएमके और एआईएडीएमके ने हमेशा अपनी सरकार बनाई है, भले ही चुनावों में अन्य दलों के साथ गठबंधन किया हो। 1952 में पहली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पूर्ण बहुमत नहीं ला सकी थी। उस समय गैर-कांग्रेसी नेताओं को सरकार में जगह मिली थी।

भाटिया जी की मेहनत से बनी छत्तीसगढ़ की रणजी टीम

पप्पु भाटिया ने दी रायपुर को अंतर्राष्ट्रीय पहचान

मनीष श्रीवास्तव/ चीफ एडीटर

रायपुर (समय दर्शन)। रायपुर की पहचान किसी समय विद्या चरण शुक्ला और 21 वीं सदी में अजीत जोगी मोतीलाल वोरा, रमन सिंग जैसे कद्दावर नेताओं के कारण होती थी और छत्तीसगढ़ अलग होने के बाद रायपुर का बहुत तेजी से विकास इन्हीं नेताओं के कारण हुआ जिसकी चर्चा पूरे देश में होने लगी लगभग हर उद्योग और बड़े बड़े प्लांट रायपुर में लगने लगे, प्रथम मुख्यमंत्री अजीत जोगी की दूरदर्शिता थी कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की आधार शिला रखी और भव्य स्टेडियम बन के तैयार हो गया परन्तु जोगी जी की सरकार दुबारा नहीं आई इस बीच में विद्या चरण शुक्ला ने अपने अत्यंत करीबी पप्पू भाटिया को जिम्मेदारी दी कि वो छत्तीसगढ क्रिकेट एसोसिएशन बनाए इस काम हेतु पप्पू भाटिया जी ने अजय तिवारी जो आज ज्वाइंट सेक्रेटरी है , शमीम मिर्जा जी जो अपनी तपस्या और मेहनत से इतना खूबसूरत स्टेडियम और ग्राउंड पिच के क्यूरेटर है कई और साथियों के साथ लगभग हर जिले में एसोसिएशन तैयार किया और बेहद मेहनत करके बीसीसीआई से अफीलेशन लेकर छत्तीसगढ़ क्रिकेट को एक नई दिशा दी दिल्ली से कोलकाता तक दौड़ का वो सफर छत्तीसगढ़ के बच्चों के भविष्य को नया आयाम देने वाला था।

भाटिया जी की मेहनत का ही परिणाम था कि छत्तीसगढ़ की अपनी रणजी टीम भी बन गई और यहां के लोगों को क्रिकेट का इन्फ्रास्ट्रक्चर भी उसी लेवल का मिलने लगा जो अन्य प्रदेश में पहले से था उन्हीं कारण यहां से आईपीएल जैसे वर्ल्ड क्लास टूर्नामेंट में प्लेयर खेलने लगे आईपीएल के मैच रायपुर में करवाकर पप्पू भाटिया ने विश्व क्रिकेट के खिलाड़ी को बहुत खूबसूरत स्टेडियम होने का अहसास दिलाया और बोर्ड ऑफ क्रिकेट कंट्रोल को बार बार इतनी सुविधा और खुबसूरत मैदान में इंटरनेशनल मैच करवाने को मजबूर किया सादगी और व्यक्तित्व के धनी भाटिया जी के पुत्र प्रबतेज भी अपनी पिता की राह में क्रिकेट को समर्पित होकर काम कर रहे हैं वो आज बीसीसीआई के ज्वाइंट सेक्रेटरी जैसे अहम पद में है, पिता पुत्र की जोड़ी एवं भाटिया जी के मित्र और छत्तीसगढ़ क्रिकेट के मार्गदर्शक विजय शाह ने मिलकर रायपुर में दुनिया के तमाम दिग्गज खिलाड़ियों को यहां लाकर रायपुर को अंतराष्ट्रीय स्तर में एक नया आयाम दिया, और अंतरराष्ट्रीय पहचान दी है।

राज्य कर्मचारी संघ, छत्तीसगढ़ के त्रैवार्षिक अष्टम प्रदेश अधिवेशन को मुख्यमंत्री ने किया संबोधित

कर्मचारियों की मेहनत, निष्ठा और अनुशासन से ही धरातल पर साकार होती हैं शासन की नीतियां : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत करने की घोषणा की

रायपुर (समय दर्शन)। कर्मचारी शासन-प्रशासन की रीढ़ होते हैं और उनकी ईमानदारी, कर्मठता तथा संवेदनशीलता से ही सरकार की योजनाएं, नीतियां और निर्णय वास्तविक रूप में धरातल पर उतरते हैं। छत्तीसगढ़ का प्रशासनिक ढांचा आप सभी की मेहनत, निष्ठा और अनुशासन के कारण ही प्रभावी ढंग से कार्य कर पा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के रोहिणीपुरम स्थित सरस्वती शिक्षा संस्थान परिसर में राज्य कर्मचारी संघ, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित त्रैवार्षिक अष्टम प्रदेश अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए महंगाई भत्ता 55 प्रतिशत से बढ़ाकर केंद्र सरकार के समान 58 प्रतिशत किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के बीच यह निर्णय कर्मचारियों को वास्तविक राहत प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय सरकार की कर्मचारी-हितैषी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिवेशन को संबोधित करते हुए कहा कि यह अधिवेशन संगठनात्मक विचार-विमर्श के साथ ही सुशासन के संकल्प को सुदृढ़ करने का एक सशक्त अवसर है। जब सरकार और कर्मचारी कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करते हैं, तभी विकास का मार्ग प्रशस्त होता है और शासन व्यवस्था अधिक सशक्त बनती है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में सरकार ने कर्मचारियों के हित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। स्थानांतरण नीति, पदोन्नति प्रक्रिया और कार्यस्थल संबंधी व्यवस्थाओं में सुधार कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी, सुचारु और कर्मचारी-अनुकूल बनाया गया है। सुशासन एवं अभिसरण विभाग के गठन से जन-विश्वास आधारित शासन तंत्र को और मजबूती मिली है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पेंशन, ग्रेच्युटी एवं अन्य सेवानिवृत्ति लाभों के समयबद्ध भुगतान पर विशेष ध्यान दिया गया है, ताकि कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के समय किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

छत्तीसगढ़ पेंशन फंड की स्थापना कर तथा पेंशन फंड विधेयक को विधानसभा से पारित कर राज्य ने इस दिशा में एक मजबूत विधायी आधार भी प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि ई-ऑफिस, ऑनलाइन सेवाओं और तकनीकी नवाचारों के माध्यम से कर्मचारियों की कार्यक्षमता को सशक्त बनाया गया है, वहीं प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास कार्यक्रमों के जरिए उन्हें बदलते समय के अनुरूप तैयार किया जा रहा है।

गढ़सिवनी के स्कूली बच्चे जंगल सफारी,आदिवासी संग्रहालय व पुरखौती मुक्तांगन का किये शैक्षणिक भ्रमण

महासमुन्द (समय दर्शन)। शास उच्च माध्य विद्यालय गढ़सिवनी के कक्षा ग्यारहवीं व बारहवीं के विद्यार्थियों को शैक्षणिक उद्देश्य व भूगोल प्रायोगिक प्रतिपूर्ति के लिये बच्चों को जंगल सफारी, शहीद वीरनारायण सिंह स्मारक व आदिवासी संग्राहालय एवं पूरखौती मुक्तागन का भ्रमण कराया गया।

जंगल सफारी के जू पार्क में प्रवेश करते ही बच्चे जंगल में मुक्त विचरण करने वाले जीव जंतु से रूबरू हुए जिसमे सफेद टाइगर, बंगाल टाइगर, एशियाटिक सिंह, विभिन्न प्रजाति के हिरण, भालू, मगरमच्छ, दरियाई घोड़ा, सर्प की संग्रह, विभिन्न प्रकार के पक्षियों के तितली गार्डन व पुलों की बागवानी से रोमांचित होकर फोटोग्राफी किये।

ततपश्चात छत्तीसगढ़ के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी शाहिद वीर नारायण के स्मृति में बने संग्रहालय में प्रवेश करते ही सभी बच्चे संग्रहालय का अवलोकन करते भावविभोर के साथ एक एक प्रदर्शित चित्रण को निहारते रहे जिसमे स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के

आदिवासियों के द्वारा सँघर्ष व बलिदान की गाथा को सजीवता के साथ बखूबी प्रस्तुत किया है। बच्चे प्रथम दृष्टया तो कहने लगे यह तो वास्तविक में सजीव लग रहा है। इस संग्रहालय में आदिवासी समुदाय की कहानी व उनके जीवन शैली को प्रदर्शित किया गया है। साथ ही आदिवासी संग्रालय में पूरे छत्तीसगढ़ के जनजाति संस्कृति की जन्म से लेकर उनके रहन सहन, खान पान तीज त्योहार, सामाजिक परिवेश व मृत्यु संस्कार का पूरा संग्रह का प्रदर्शन किया गया है।

सभी बच्चे उत्साह पूर्वक एक कलाकृतियों को निहारते रहे। साथ ही संग्रहालय में प्रदर्शित मनोरंजन से ओतप्रोत थियेटर का भी आनंद लिये। फिर बड़ी पूरखौती मुक्तागन में प्रवेश कर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक, सामाजिक, व परम्परा का संग्रह एक स्थान पर पाकर बच्चे गदगद होगये। साथ ही छत्तीसगढ़ की मंत्रालय व सचिवालय के साथ नवनिर्मित विधान सभा भवन का भी अवलोकन करते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का भी अवलोकन करते हुये भ्रमण के समापन हुआ।

गढ़सिवनी स्कूल के बच्चे प्रथम बार विद्यालयीन भ्रमण में बाहर निकले बहुत उत्साहित होकर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे । यह ट्रिप बहुत ही आनंद मय रहा जिसमें खास तौर से छत्तीसगढ़ से सम्बंधित जानकारी प्राप्त हुआ। इस शैक्षणिक भ्रमण में संस्था से तुलेन्द्र सागर प्राचार्य के मार्गदर्शन व व्याख्याता वोमन लाल ठाकुर के नेतृत्व में सहयोगी व्याख्याता गण सरिता जैस्वार, रितेश जोशी, ममता शर्मा एवं लक्ष्मी ठाकुर व स्टाफ मन्थिर यादव के साथ विद्यार्थी सामिल रहे अंत मे खुशी खुशी घर को वापस हुए।

कृषि मंत्री ने किया ग्रामीण उद्यान विस्तार अधि.संघ छत्तीसगढ़ के कैलेंडर का विमोचन

रायपुर (समय दर्शन)। ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी संघ, छत्तीसगढ़ द्वारा प्रकाशित कैलेंडर का विमोचन माननीय कृषि मंत्री रामविचार नेताम के कर - कमलों से नवा रायपुर स्थित उनके कार्यालय में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन्द्र नाग सहित संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। इस दौरान कृषि मंत्री ने सभी अधिकारी कर्मचारी को नव वर्ष की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि,शासन की रचनात्मक कार्यशैली के अनुरूप अपने अपने क्षेत्र में आप सभी हमारे छत्तीसगढ़ प्रदेश के अन्नदाता बंधुओं को उद्यानिकी विभाग के सकारात्मक गतिविधियों से जोड़े और विभागीय महात्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ दिलवायें,जिससे किसान भाइयों को इसका समुचित लाभ मिल सके।

प्रदेश के किसान आत्म निर्भर एवं उन्नतशील होंगे तो प्रदेश में खुशहाली आएगी। इस दौरान राकेश सैंड्रे, शिशिर ठाकुर, रवि बघेल,श्रीमती हर्षलता साहू, बलराम साहू, अरविंद कुर्रे, कुलेश्वर नेताम, आयुष मिश्रा एवं विभव वर्मा आदि अनेक कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नवीन पाठ्य पुस्तक आधारित एफएलएन प्रशिक्षण विकासखंड धमधा में संपन्न

शिक्षको ने पूर्ण मनोभाव से निभाई सहभागिता

अहिवारा (समय दर्शन)। नवीन पाठ्य पुस्तक आधारित एफएलएन पांच दिवसीय प्रशिक्षण विकासखंड धमधा,जिला दुर्ग में तीन जोन अहिवारा,बोरी ,धमधा आयोजित हुआ । विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री अथर्व शर्मा और विकासखंड श्रोत व्यक्ति श्री केशव पटेल जी के मार्ग दर्शन पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रथम दिवस प्रशिक्षण का शुभारंभ विकासखंड शिक्षाधिकारी श्री अथर्व शर्मा, बीआरसीसी श्री के शव पटेल,,प्राचार्य श्री जोगिंदर सिंह थनुजा बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय धमधा ,प्रशिक्षण प्रभारी श्री किशोर तिवारी, डीआरजी नीलमचंद ताम्रकार,बीआरजी के द्वारा मां शारदे के छायाचित्र पर पुष्पमाला अर्पित करते हुए पूजा अर्चना से हुई,बीआरसीसी के द्वारा प्रशिक्षण की रूपरेखा पर प्रकाश डाला गया,अतिथियों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को मार्गदर्शन और शुभकामनाएं दिया गया।एससीईआरटी से प्रशिक्षित

बीआरजी श्री सूर्यकान्त हरदेल, चित्रेण कुमार पटेल, सपना दुबे, संतोषी निषाद, नमता देवांगन,विनोद साहू, सुनील बंछोर, बंशी लाल साहू ,मनोज मरकाम,ने विकासखंड धमधा के प्राथमिक शाला के कक्षा 1,2 और 3 पढ़ाने वाले शिक्षको को प्रशिक्षण दिया। एनईपी 2020 और एनसीएफ एफएस के लक्ष्यों और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए , बच्चों में निहित दक्षताओ के प्राप्ति , कौशलो को विकसित करने पर सदन में चर्चा परिचर्चा किया गया।नवीन पाठ्य पुस्तक में हुए परिवर्तनों पर प्रशिक्षणार्थियों से चर्चा परिचर्चा हुई।

भाषा शिक्षण के चार खंडीय रूप रेखा मौखिक भाषा विकास,डिकोडिंग, पठन,लेखन को कैसे नवीन पाठ्य पुस्तक में उपयोग कर कक्षा में बच्चो के साथ काम कर पाएंगे ,गतिविधियों के साथ प्रस्तुति करण कराया गया।हिंदी पाठ्य पुस्तक वीणा,अंग्रेजी विषय मृदंग 1,मृदंग 2,संतूर कक्षा तीसरी,गणित विषय के शीर्षक आनंदमय गणित कक्षा एक और दो,गणित मेला कक्षा तीसरी,हमारा अदभुत संसार पर्यावरण,कला शिक्षा विषय बांसुरी,योग एवम खेल विषय से परिचय,परिवर्तन पर गहन चर्चा के साथ कार्यशाला में गतिविधियां एवम् प्रदर्शन प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा प्रस्तुत किया गया।

नवीन पाठ्य पुस्तको में हम कैसे चार खांडीय रूप रेखा पर कार्य कर सकते हैं कार्यशाला में अभ्यास के साथ समूह कार्य की प्रस्तुतीकरण हुई , प्रशिक्षको के द्वारा पीपीटी के साथ उदाहरण के साथ रुचिकर प्रशिक्षण दिया गया, बी आर जी के द्वारा पाठ प्रदर्शन का डेमो भी किया गया।विकासखंड धमधा के 191 शिक्षको ने पूरे मनोभाव, ऊर्जा, आनंदपूर्वक,रुचि के साथ बढ़ चढ़कर सहभागिता निभाई।हम अपने कक्षागत बच्चो को किस प्रकार सभी विषयो में दक्ष कर पाएंगे प्रशिक्षण में बताया गया।बुनियादी साक्षरता एवम् बुनियादी गणित में कैसे बच्चों को कैसे निपुण बना पाएंगे ,साथ ही अन्य विषयों जो नवीनतम को जोड़ा गया उस पर कैसे रुचिकर बनाते हुए कार्य करे कार्यशाला के माध्यम से सिखाया गया।प्रत्येक विषय चाहे भाषा, गणित, पर्यावरण,अंग्रेजी हो सभी में एक दूसरे से पूरक विषय अर्थात् पर्यावरण, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान,गणित,भाषा को सभी कक्षा के विषय में समायोजन किया गया। एनईपी 2020, एनसीएफ एफएस में संस्कृति,सामाजिक समलैंगिकता ,नैतिकता, सामाजिकता, धार्मिकता, पौराणिकता, आधुनिकता,तकनीकी, वैदिक गणित, पंचकोष, पारंपरिक खेलों,उत्सव,अन्य राज्यो के भाषाओं को ध्यान में रखते हुए नवीन पाठ्य पुस्तकों में समायोजन किया गया है।

ग्राम देमार में भव्य राजिम जयंती महोत्सव सम्पन्न

कलश शोभायात्रा, पूजा-अर्चना व प्रेरक उद्बोधनों से गूंजा आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। परिक्षेत्रीय साहू संघ अरसनारा के तत्वाधान में गुरुवार को ग्राम देमार में राजिम जयंती महोत्सव का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत समाज की महिलाओं द्वारा निकाली गई आकर्षक कलश शोभायात्रा से हुई, जिसने पूरे ग्राम को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। इसके पश्चात भक्त माता कर्मा एवं राजिम माता की विधिवत पूजा-अर्चना व आरती कर महोत्सव का शुभारंभ किया गया।

महोत्सव के प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल रहे। प्रमुख अतिथि तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू, अति विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद महासमुंद चुन्नीलाल साहू तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व तहसील अध्यक्ष दिनेश साहू ने की। विशेष अतिथि के रूप में दिव्या कलिहारी (पूर्व जिला अध्यक्ष) सहित अनेक गणमान्यजन मंचासीन रहे।

द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री के ओएसडी आशीष वर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष लालेश्वर साहू ने

की। विशेष अतिथियों में अश्वनी साहू (महासचिव), गायत्री साहू (अध्यक्ष, झीट परिक्षेत्र), रामनारायण साहू (अध्यक्ष, तेलीगुंडरा परिक्षेत्र), पारखत साहू (जामगांव-आर परिक्षेत्र), टेसराम साहू (अध्यक्ष, बेल्हारी परिक्षेत्र), विमला साहू (तहसील उपाध्यक्ष), मोहित विश्वकर्मा (सरपंच) सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे।

प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए सांसद विजय बघेल ने कहा कि भक्त माता राजिम एवं माता कर्मा ने समाज को संकटों से उबारते हुए संगठन और एकजुटता की राह दिखाई है। उन्होंने कहा कि पाटन क्षेत्र का अरसनारा परिक्षेत्र सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में अग्रणी रहा है। समाज की प्रगति के लिए शिक्षा, संस्कार और संगठन को उन्होंने सबसे आवश्यक बताया तथा सामाजिक आयोजनों को नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर दिया।

द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि आशीष वर्मा ने राजिम जयंती महोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नारी शक्ति ही सृष्टि का मूल आधार है, इसलिए मातृ शक्ति की पूजा सर्वाधिक होती है। उन्होंने कहा कि साहू समाज में कर्मा माता एवं राजिम माता ने समाज को संगठित कर सामाजिक चेतना को जागृत करने का महत्वपूर्ण कार्य किया है, जिससे समाज की संस्कृति और परंपराएं सुदृढ़ हुई हैं।

पूर्व सांसद चुन्नीलाल साहू ने अपने उद्बोधन में पारिवारिक मूल्यों पर बल देते हुए कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में परिवार को समय देना अत्यंत आवश्यक है। मजबूत परिवार से ही सशक्त समाज का निर्माण संभव है।

तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेंद्र साहू ने राज्य सरकार द्वारा गठित तेलघानी बोर्ड की योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि इसके माध्यम से साहू समाज सहित अन्य समाजों के लोगों को रोजगार एवं आर्थिक लाभ मिल रहा है।

स्वागत भाषण परिक्षेत्रीय अध्यक्ष किशन हिरवानी ने कार्यक्रम का संचालन हरिशंकर साहू एवं गोपेश साहू ने किया तथा आभार प्रदर्शन कौशल बनपेला ने किया।

महोत्सव के अवसर पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं तथा सामाजिक एकता का संदेश देते हुए पूर्व एवं नवनिर्वाचित स्थानीय अध्यक्षों, अन्य समाज प्रमुखों, वरिष्ठजनों, अतिथियों एवं रक्तदाताओं का परिक्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया।

जिला पंचायत सदस्य ने किचन शेड का किया घोषणा

जिला पंचायत सदस्य देवेंद्र चंद्रवंशी ने स्थानीय साहू समाज देमार की मांग पर किचन शेड निर्माण कार्य के लिए जिला पंचायत निधि से 2.50 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान करने का घोषणा किया। जिसके लिए सामाजिक जनों ने उनका आभार जताया। अन्य मांग में परिक्षेत्रीय अध्यक्ष किशन हिरवानी ने पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद विजय बघेल से परिक्षेत्रीय भवन, स्थानीय साहू समाज लोहरसी एवं बठेना में स्थानीय साहू समाज के लिए भवन निर्माण, अचानकपुर में साहू भवन में शेड निर्माण किए जाने की मांग किया।

ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पालक-शिक्षक सम्मेलन का सफल आयोजन

जांजगीर (समय दर्शन)। ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजगीर में पालक-शिक्षक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर पालकों के स्वागत हेतु छात्रङ्छात्राओं द्वारा विद्यालय परिसर में सुंदर एवं आकर्षक रंगोलियाँ बनाई गईं। रंगोली के माध्यम से विद्यार्थियों ने अतिथियों के प्रति सम्मान एवं उत्साह का प्रदर्शन किया, जिससे विद्यालय परिसर में उल्लासपूर्ण वातावरण बना रहा।

दिनांक 10 जनवरी 2026 को आयोजित इस बैठक में नर्सरी से लेकर कक्षा बारहवीं हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम तक के सभी विद्यार्थियों के पालक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति से पालकों को अवगत कराना तथा विद्यालय एवं पालकों के बीच आपसी समन्वय को सुदृढ़ करना था।

बैठक के दौरान पालकों को बच्चों की प्रगति , पढ़ाई में कमियाँ, अनुशासन, नियमितता एवं व्यवहार की जानकारी दी गई। शिक्षकों ने बच्चों के सर्वांगीण विकास, शैक्षणिक सुधार तथा भविष्य की योजना पर उपयोगी सुझाव प्रदान किए।

इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं की सक्रिय, पूर्ण एवं सराहनीय भागीदारी रही। प्रत्येक शिक्षक ने पालकों से सीधे संवाद कर विद्यार्थियों की स्थिति स्पष्ट की तथा उनके प्रश्नों का समाधान किया।

यह सम्पूर्ण कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेश यादव के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्राचार्य महोदय ने अपने उद्बोधन में पालकङ्शिक्षक सहभागिता को बच्चों की सफलता की कुंजी बताया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की ओर से सभी पालकों को उपहार एवं शुद्ध पेयजल प्रदान कर ससम्मान विदा किया गया। पालकों ने विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

ग्राम पंचायत खैरा के आश्रित ग्राम मंदवानी में शासकीय तालाबों से अवैध उत्खनन का संगठित खेल

मुंगेली जिला के विकासखण्ड पथरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत के तालाबों से खनिज संपदा कि लूट प्रशासनिक संरक्षण में सार्वजनिक संपदा का खुला दोहन

मुंगेली(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के पश्चात शासन द्वारा प्राकृतिक संसाधनों, विशेषकर सार्वजनिक जल संरचनाओं एवं खनिज संपदा के संरक्षण हेतु सख्त नीतियाँ, नियम एवं दिशा-निर्देश लागू किए गए हैं। इसके बावजूद मुंगेली जिले के पथरिया विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरा के आश्रित ग्राम मंदवानी में शासकीय तालाबों से बिना वैधानिक अनुमति, बिना प्रशासनिक स्वीकृति एवं बिना तकनीकी अनुमोदन के अवैध उत्खनन का गंभीर और चिंताजनक मामला सामने आया

है।जिसने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर अनेक गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं।

सार्वजनिक तालाब आजीविका, पर्यावरण और जल-सुरक्षा का आधार ग्रामीण अंचलों में शासकीय तालाब केवल जलस्रोत नहीं होते, बल्कि वे भू-जल रिचार्ज का माध्यम पशुपालन एवं कृषि का आधार पर्यावरणीय संतुलन का केंद्र ग्रामीण समुदाय की सामूहिक संपत्ति होते हैं। इन तालाबों के संरक्षण हेतु छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पंचायत राज अधिनियम, खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, राजस्व संहिता एवं संबंधित विभागीय नियमों के अंतर्गत स्पष्ट प्रतिबंध एवं प्रक्रियाएँ निर्धारित हैं।

इसके बावजूद मंदवानी में जो घटित हो रहा है, वह कानून, नीति और नैतिकता तीनों का खुला उल्लंघन प्रतीत होता है।केवल प्रस्ताव, न स्वीकृति फिर भी शुरू हो गया उत्खनन प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत खैरा द्वारा मात्र एक साधारण प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें संबंधित निर्माण एजेंसी अनिल बिल्डकॉन को तालाब से निकली मिट्टी-मुरूम के परिवहन हेतु अनुशंसा की गई।यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि पंचायत प्रस्ताव कार्य स्वीकृति नहीं होता प्रस्ताव के आधार पर खनिज उत्खनन की अनुमति नहीं दी जा सकती सार्वजनिक तालाब से उत्खनन हेतु कलेक्टर स्तर से पृथक स्वीकृति,तकनीकी परीक्षण,पर्यावरणीय अनुमति,राजस्व एवं जल संसाधन विभाग की सहमतिअनिवार्य होती है।इनमें से कोई भी प्रक्रिया इस प्रकरण में पूर्ण नहीं की गई।

खनिज शाखा की भूमिका पर गंभीर सवाल सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त पंचायत प्रस्ताव के आधार पर कलेक्टर कार्यालय, खनिज शाखा मुंगेली में पदस्थ खनिज अधिकारी द्वारा निर्माण एजेंसी अनिल बिल्डकॉन को अभिवहन (परिवहन) पास पर्ची बुक जारी कर दी गई।यह कार्रवाई अपने-आप में कई गंभीर सवाल खड़े करती है।जब उत्खनन की अनुमति ही नहीं थी, तो परिवहन पास किस आधार पर?क्या बिना स्वीकृत कार्य के खनिज परिवहन वैध हो सकता है?क्या खनिज अधिकारी ने स्थल निरीक्षण, अभिलेख परीक्षण एवं नियमों का पालन किया?

खनिज नियमों के अनुसार परिवहन पास केवल वैध रूप से स्वीकृत उत्खनन के उपरांत ही जारी किया जा सकता है।केवल परिवहन पास जारी कर देना उत्खनन को वैध नहीं बना देता।तालाब सौंदर्यीकरण या गहरीकरण की कोई स्वीकृति नहीं इस पूरे मामले का सबसे गंभीर एवं निर्णायक तथ्य यह है कि तालाब के सौंदर्यीकरण, गहरीकरण या समतलीकरण हेतु किसी भी विभाग द्वारा कोई प्रशासनिक, तकनीकी या वित्तीय स्वीकृति जारी नहीं की गई

न तो पंचायत को कोई कार्यादेश प्राप्त है।न किसी योजना (मनरेगा, जल जीवन मिशन, राज्य योजना) से बजट स्वीकृत है।न कोई मापदंड, ड्राइंग या तकनीकी प्रतिवेदन उपलब्ध है।इसके बावजूद तालाबों को खनन क्षेत्र की तरह खोदा जा रहा है।

संक्षिप्त-खबर

अनुराग तिवारी बने भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

जांजगीर (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव जी के सहमति से किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर ने प्रदेश कार्यकरिणी की घोषणा किया जिसमे अनुराग तिवारी को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य नियुक्त किया गया. अनुराग तिवारी पूर्व में ए बी वी पी एवं भाजपा युवा मोर्चा सहित पार्टी के अन्य दायित्वों का निर्वहन कर चुके है इनकी नियुक्ति पर कार्यकर्ताओ में हर्ष व्याप्त है।

देव अंग से जुड़ी है देवांगन समाज- किशन राव

बिर्रा (समय दर्शन)। देवांगन समाज बिर्रा देवांगन धर्मशाला बिर्रा में आयोजित संगीतमय मां परमेश्वरी महापुराण कथा में पंचम दिवस दीपचंद और माता हरणी की जन्म कथा सुनाई गई । कथावाचक आचार्य श्री किशन राव जी ने कहा कि परमेश्वरी महापुराण में दीपचंद का उल्लेख पं दीपचंद जी शाह या कासलीवाल के रूप में मिलता है।जो एक प्रतिभावान जैन विद्वान कवि और अनुयायी थे।जिनका जीवन सादा जीवन उच्च विचार और जीव दया पर जोर दिया। कथा में मां परमेश्वरी की संगीतमय भजन संध्या में भव्य बारात निकाली गई। वहीं चतुर्थ दिवस की कथा में देवांगन समाज का गोत्र उत्पत्ति और वस्त्र निर्माण कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए कथावाचक श्री किशन राव जी ने कहा कि देवांगन समाज का गोत्र देव+अंग अर्थात देव अंग से ही हुई है जो शास्त्रोक्त वर्णन अनुसार वे परमेश्वरी माता के वंशज माने गए हैं और उनका मुख्य कार्य कोसा, रेशमी,सूती वस्त्र निर्माण करने में माहिर बताया गया है जो पीढ़ी दर पीढ़ी विकसित हुआ है । जहां समाज के पुरूष बुनाई का काम करते थे और महिलाएं सूत काटना रंग रंगना जैसी काम किया करती है वहीं बच्चे भी करघा में सहयोग किया करते हैं। आचार्य श्री ने कहा कि देवांगन गोत्र की कथा उनकी बुनाई की महान परंपरा देवी मां परमेश्वरी से जुड़ाव को दर्शाता है।कथा के बीच बीच में माता जसगीत भजन से उपस्थित श्रोताओं और श्रद्धालु संगीतमय वातावरण में झुमते नज़र आ रहे हैं।जय देवांगन और जय महाजन का नारा लगाया जा रहा है। आज की कथा में पूर्व विधायक जांजगीर एवं छत्तीसगढ़ बुनकर सहकारी समिति के अध्यक्ष मोतीलाल देवांगन परमेश्वरी पुराण में कथा सुनने पहुंचे आयोजन समिति ने जिनका स्वागत किया।मां परमेश्वरी महापुराण कथा को लेकर सभी प्रबुद्ध वर्ग और जनप्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। आगामी कथा में गर्भ चरित्र, महिषासुर जन्म एवं वध, बड़की मंझली छोटकी जन्म कथा पीढ़ी पूजन आदि कथा सुनाई जाएगी।

कलेक्टर एवं सीईओ के निर्देश पर पाँचों विकासखंडों की ग्राम पंचायतों में हुआ सामूहिक श्रमदान, गरियाबंद जिले में स्वच्छ शनिवार की धूम

गरियाबंद (समय दर्शन)। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत गरियाबंद जिले को कचरा मुक्त बनाने एवं स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिले के सभी पाँच विकासखंडों में स्वच्छ शनिवार अभियान का प्रभावी आयोजन किया गया। यह विशेष अभियान कलेक्टर बीएस उईके के निर्देशानुसार तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर के मार्गदर्शन में संचालित किया गया।अभियान के तहत जिले के देवभोग, छुरा, गरियाबंद, मैनपुर एवं फिंगेश्वर विकासखंडों की विभिन्न ग्राम पंचायतों में उत्साहपूर्वक स्वच्छता संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। देवरी, चिखली,कोपेकसा, जेंजरा मजरकट्टा, बारूला, कौंदकेरा, डोंगरीगांव,खरहरी, मरोदा, पतोरादादर, मदनपुर,सड़कपरसूली, नागाबुड़ा धुमरगुड़ा, डेंडुपदर, गगनराजपुर, सरायपानी, कोदोभाटा, हाथबाय एवं नहरगांव सहित अनेक ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। जिला पंचायत द्वारा जारी निर्देशों के अनुरूप पंचायतों में चार प्रमुख बिंदुओं पर कार्य किया गया। इसके अंतर्गत सार्वजनिक स्थलों,विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं पंचायत भवनों के आसपास सामुदायिक श्रमदान के माध्यम से साफ-सफाई की गई। साथ ही नालियों की सफाई कर सोखता गड्ढों का रखरखाव सुनिश्चित किया गया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थलों से सिंगल-यूज प्लास्टिक एकत्र कर प्लास्टिक मुक्त गांव की दिशा में पहल की गई। इसके अतिरिक्त ग्रामीणों को गीला एवं सूखा कचरा पृथक-पृथक कर स्वच्छाग्रहियों को सौंपने के महत्व के संबंध में जागरूक किया गया।जिला पंचायत के सीईओ चंद्राकर ने सभी जनपद सीईओ, सरपंचों एवं सचिवों को अभियान में अधिकतम जन-भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अभियान की निरंतरता बनाए रखने हेतु प्रत्येक शनिवार आयोजित गतिविधियों के फोटोग्राफ्स एवं संक्षिप्त रिपोर्ट जिला कार्यालय को भेजने के निर्देश भी दिए गए हैं।जिला समन्वयक परवेज हनफी ने बताया कि स्वच्छ शनिवार अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाना तथा गांवों को पूर्णत: कचरा मुक्त बनाना है।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम ने की माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में वानिकी कार्यों से राजस्व वृद्धि

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री के निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम माओवाद प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों में वानिकी कार्यों के माध्यम से न केवल राजस्व बढ़ा रहा है, बल्कि स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराकर उनके सामाजिक-आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। कांकेर जिले के अंतागढ़ परियोजना मंडल अंतर्गत कोयलीबेडा, अंतागढ़, दुर्गुकोंदल, मन्हाकाल जैसे अति संवेदनशील क्षेत्रों में सागौन विरलन (थिनिंग), विदोहन और वृक्षारोपण के कार्य सफ्लतापूर्वक किए जा रहे हैं। विगत वर्ष इन क्षेत्रों से कुल 4,624.358 घन मीटर काष्ठ और जलाऊ लकड़ी का उत्पादन किया गया, जिससे निगम की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इन कार्यों से बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीणों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है, जिससे पलायन में कमी आई है और जीवन स्तर में सुधार हुआ है। औद्योगिक वृक्षारोपण मंडल जगदलपुर द्वारा बस्तर संभाग के कोण्डागांव और फरसगांव जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में वृक्षारोपण और विदोहन कार्यों के माध्यम से ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्ष 2024 में लगभग 1,000 घन मीटर वनोपज का उत्पादन किया गया। इसके साथ ही 94 हेक्टेयर क्षेत्र में 2 लाख 35 हजार सागौन पौधों का रोपण किया गया। वर्ष 2025 में अतिक्रमण मुक्त कराए गए वन क्षेत्रों में 76 हेक्टेयर में 1 लाख 90 हजार सागौन और 38 हेक्टेयर में 95 हजार नीलगिरी पौधों का रोपण किया गया है। सुरक्षा कैंपों की स्थापना से दुर्गम क्षेत्रों में आवागमन आसान हुआ है, जिससे वानिकी कार्यों में तेजी आई है। जहाँ पहले हिंसा और भय का माहौल था, वहाँ अब रोजगार, विकास और हरियाली का संदेश फैल रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम का यह प्रयास माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने, रोजगार बढ़ाने और जंगलों के संरक्षण के साथ आर्थिक समृद्धि लाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

मालवाहक पिकअप में यात्रियों को बैठाने पर चालक पर 5000 रुपये का चालान

रायपुर। सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दंतेवाड़ा यातायात पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मालवाहक पिकअप वाहन (एमपी 50 जी 2460) के चालक पर डट एक्ट की धारा 66ध्192 के तहत 5000 रुपये का चालान किया है। वाहन में अनुचित रूप से यात्रियों को बैठाकर ले जाया जा रहा था, जिसे गंभीर उल्लंघन मानते हुए यह कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्री गौरव राय के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आर.के. बर्मन तथा उप पुलिस अधीक्षक यातायात श्री नसर उल्ला सिद्दीकी के मार्गदर्शन में की गई। यातायात पुलिस ने बताया कि मालवाहक वाहनों में सवारियाँ ढोना अत्यंत खतरनाक है और इससे दुर्घटनाओं का जोखिम बढ़ जाता है। चालक को चालान के साथ कड़ी समझाइश भी दी गई कि भविष्य में ऐसी लापरवाही न दोहराएँ तथा सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें। पुलिस का कहना है कि सड़क सुरक्षा को लेकर जिले में लगातार अभियान चलाया जा रहा है और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि सड़कें सुरक्षित रहें और दुर्घटनाओं में कमी आए।

किसान जीतेन्द्र तारम ने कहा शासन की धान खरीदी व्यवस्था से किसानों में खुशी

रायपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले के धान उपार्जन केन्द्रों पर तेजी से धान खरीदी का कार्य जारी है। शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर की जा रही धान खरीदी किसानों के लिए केवल उपज बेचने का माध्यम नहीं, बल्कि उनके सपनों को साकार करने का मजबूत आधार बन रही है। इसी व्यवस्था का प्रत्यक्ष लाभ अम्बागढ़ चौकी विकासखंड के ग्राम जरहाटोला निवासी किसान श्री जीतेन्द्र तारम को मिला है। किसान जीतेन्द्र तारम ने धान उपार्जन केन्द्र मोहला में कुल 54 क्विंटल धान की बिक्री की। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी किए जाने से उन्हें उनकी फ्सल का पूरा और उचित मूल्य प्राप्त हुआ। इस व्यवस्था से किसानों को बाजार के उतार-चढ़ाव से मुक्त होकर सुरक्षित आमदनी सुनिश्चित हो रही है।रम ने बताया कि उन्होंने स्वयं अपने मोबाइल फोन से ऑनलाइन टोकन कटवाया और बिना किसी परेशानी के घर बैठे टोकन प्राप्त कर लिया। इससे समय और संसाधनों की बचत हुई तथा पूरी प्रक्रिया आसान और पारदर्शी रही। उन्होंने कहा कि इस वर्ष धान बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग वे अपने बच्चों की शिक्षा पर करेंगे, ताकि उन्हें बेहतर भविष्य मिल सके। इसके साथ ही खेती-किसानी से जुड़ी आवश्यकताओं और घरेलू जरूरतों को भी इसी आय से पूरा करेंगे। उनका मानना है कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी से शासन के प्रति किसानों का भरोसा और मजबूत हुआ है। धान उपार्जन केन्द्र की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए श्री तारम ने बताया कि केन्द्र में बारदाने की पर्याप्त उपलब्धता है। इलेक्ट्रॉनिक तौल की पारदर्शी व्यवस्था है

प्रभारी मंत्री लखन लाल देवांगन ने ली विभागीय समीक्षा बैठक

कल्याणकारी योजनाओं में पारदर्शिता और समयबद्ध निराकरण के निर्देश.....

- शासन की योजनाओं का आमजनों को मिले त्वरित एवं समयबद्ध लाभः मंत्री श्री देवांगन

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के वाणिज्य एवं उद्योग, श्रम मंत्री तथा मुंगेली जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने जिला कलेक्टोरेट मुंगेली स्थित मनियारी सभाकक्ष में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक लेकर शासन की योजनाओं की प्रगति, जनसेवाओं की गुणवत्ता एवं मैदानी क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन से जुड़े प्रकरणों का त्वरित, पारदर्शी और समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे जनता में शासन-प्रशासन की सकारात्मक छवि बने। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का आमजनों को त्वरित एवं समयबद्ध लाभ पहुंचाने की बात कही। बैठक में मुंगेली विधायक श्री पुन्नूलाल मोहले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीकांत पाण्डेय, श्री दीनानाथ केशरवानी, कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री भोजराम पटेल, वन मंडलाधिकारी श्री अभिनव कुमार, जिला पंचायत सीईओ श्री प्रभाकर पाण्डेय, एडीएम श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी, अपर कलेक्टर श्री जी.एल.यादव सहित तीनों अनुविभागों के एसडीएम और सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री श्री देवांगन ने आदिवासी विकास विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि छात्रावासों में पेयजल, बिजली, बिस्तर एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं सुव्यवस्थित रहे। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित पीएम जनमन योजना सहित अन्य योजनाओं, वन विभाग आदि की समीक्षा करते हुए ग्राम जाकड़बांधा क्षेत्र में अवैध वृक्ष कटाई कर खेत बनाने की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन एवं ऋण पुस्तिका से संबंधित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पटवारियों द्वारा अनावश्यक चक्कर न लगवाए जाएं और ग्रामीणों के राशन कार्ड समय-सीमा में बनें। उन्होंने ई-डिस्ट्रिक्ट में शामिल सेवाओं का नाम एवं निराकरण अवधि स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री श्री देवागंन ने शिक्षा विभाग अंतर्गत पीएम श्री योजना, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण, अपार आईडी, निःशुल्क साइकिल एवं पाठ्य पुस्तक वितरण योजना, न्योता भोजन कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि न्योता भोज में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए। उन्होंने चीनू नवागांव में शिक्षकों की कमी की शिकायत पर नियमानुसार शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने श्रम विभाग प्रभारी मंत्री ने लेबर बजट अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने श्रमिकों को आवास योजना तथा श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने हेतु जगह-जगह शिविर लगाने, व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सड़क सुरक्षा और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए किए जा रहे जन-जागरूकता कार्यक्रम

रायपुर/ संवाददाता

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुक्रम में मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़ शासन के मार्गदर्शन में अंतर्विभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा द्वारा पूरे प्रदेश में सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत प्रतिदिन जन-जागरूकता संबंधी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप की ओर से लीड एजेंसी द्वारा जन जागरूकता संबंधी तैयार पोस्टर एवं फ्लैक्स जारी किया गया। इसी क्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा प्रदेश के समस्त सरपंचों एवं पंचगणों को पंचायत अंतर्गत सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु आवश्यक पहल करने के लिए एक अपील जारी किया गया। सड़क सुरक्षा माह के प्रथम दिवस 01 जनवरी 2026 को न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे, माननीय सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑफ रोड सेफ्टी की अध्यक्षता में बेमेतरा में हेलमेट रैली को हरी झण्डी दिखाकर इसका शुभारंभ किया। इसी कड़ी में 03 जनवरी को दुर्ग में संभाग स्तरीय अधिकारियों, संभागायुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, सात जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, परिवहन, लोक निर्माण, नगरीय प्रशासन, शिक्षा, आबकारी, स्वास्थ्य निर्माण एजेंसियों की बैठक तथा 05 जनवरी को मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील की उपस्थिति में संबंधित विभागीय सचिवों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सड़क दुर्घटनाओं को रोकने कार्ययोजना के तहत कार्य करने के निर्देश दिए गए। सड़क दुर्घटनाओं में कमी के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देने के साथ ही विशेष रूप से सर्वाधिक दुर्घटनाओं वाले जिले रायपुर, बिलासपुर एवं दुर्ग के लिए समन्वित प्रयास से कार्ययोजना बनाया जाकर वर्ष 2026 के दौरान दुर्घटनाओं में कमी लाने के निर्देश दिये गये। प्रदेश में वर्ष 2025 में गत वर्ष की तुलना में मृत्यु दर में यद्यपि कमी आई है।

शादी का दबाव बनाने पर प्रेमिका की हत्या, आरोपी को उम्र कैद.....

रायपुर। संवाददाता

हत्या के तीन साल पुराने मामले में कोरबा की एक कोर्ट ने गला घोंटकर प्रेमिका की हत्या और लाश को नाली में दफ्नाने वाले आशिक को आजीवन कारावास की सजा सुनाया है। विशेष लोक अभियोजक सुनील कुमार सोनवानी ने बताया कि हत्या का यह मामला जुलाई 2022 का है। गांव ढेलवाडीह में रहने वाली अंजू उर्फ सोनी यादव की गला घोंटकर उसके प्रेमी ने हत्या कर दी थी। सोनी के शव को सागौन बाड़ी ढेलवाडीह के नाली में दफ्ना दिया था। लेकिन इसकी भनक किसी को नहीं थी। सोनी की खोज खबर लेने के लिए इसकी मां और बहन लगातार प्रयास कर रही थी। परिवार को पता था कि सोनी का प्रेम संबंध गांव ढेलवाडीह में रहने वाले गोपाल उर्फ रामगोपाल खड़िया उम्र 29 वर्ष से था। गोपाल और सोनी पति-पत्नी की तरह एक साथ रहते थे। जब छह माह तक सोनी के बारे में उसके परिवार को जानकारी नहीं मिली तो उसकी मां एक मार्च, 2023 को मानिकपुर चैकी (कोतवाली थाना) पहुंची। उसने बेटी की गुमशुदगी की सूचना देते हुए पुलिस को बताया कि सोनी यादव गोपाल खड़िया के साथ रहती थी। लेकिन गोपाल, सोनी के बारे में कोई जानकारी नहीं दे रहा है। पूछने पर इधर उधर की बात करके घुमा रहा है। पुलिस ने पूछताछ के लिए गोपाल खड़िया को हिरासत में लिया। तब खड़िया ने गला घोंटकर सोनी की हत्या करना और शव को देलवाडीह सागौन बाड़ी के नाल में दफ्नाना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने कार्यपालक दंडाधिकारी की अनुमति से शव को कब्र से बाहर निकाला। शव से कुछ अंगों को निकालकर डीएनए जांच के लिए भेजा गया। शव की डीएनए जांच सोनी की मां के डीएनए से कराई गई। जांच में मां-बेटी का डीएनए मैच हुआ।

25 फरवरी तक प्रदेशभर में मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान चलाएगी कांग्रेस-पायलट...

रायपुर। संवाददाता

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने आज राजीव भवन में कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी (पीएसी)और नवनियुक्त जिला अध्यक्षों की संयुक्त बैठक ली, जिसमें कांग्रेस ने मनरेगा को लेकर केंद्र सरकार पर राज्यों पर बोझ डालने का आरोप लगाते हुए बड़े आंदोलन करने का ऐलान किया। बैठक में 10 जनवरी से 25 फरवरी तक प्रदेशभर में वीबी-ग्राम-जी विधेयक के खिलाफ मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान चलाने का निर्णय लिया। इस दौरान कांग्रेसी रोजगार अधिकार के लिए सड़क पर उतरेंगे और यह आंदोलन ग्राम पंचायत से विधानसभा तक किया जाएगा। प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट ने कहा कि कांग्रेस मुख्यालय पर पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी और नवनियुक्त जिला अध्यक्षों के साथ बैठक की गई। बैठक का मुख्य एजेंडा मनरेगा था, जिसे केंद्र सरकार दुर्भावनावश नाम बदलकर पूरी तरह समाप्त करने में लगी हुई है। एआईसीसी के निर्देशानुसार 10 जनवरी को मनरेगा के मुद्दे पर सभी जिलों में प्रेसवार्ता आयोजित की जाएगी। इसके बाद एक दिवसीय उपवास रखा जाएगा। इतना ही नहीं 26 जनवरी को हम ग्राम पंचायतों के माध्यम से इस मुद्दे को पास करवाएंगे। चुकी ये मुद्दा जनता का है इसीलिए हमारे एक-

एक कदम पर जनता साथ होगी। विधानसभा घेराव भी किया जाएगा। गांधीवादी तरीके से पूरा आंदोलन किया जाएगा। पायलट ने कहा, इस मामले में भी सरकार सबसे गरीब, वंचित लोगों का हनन करना चाहती है। इसका पूरजोर विरोध किया जाएगा। हमने सभी जिला अध्यक्षों को निर्देशित किया है कि कांग्रेस का कार्यकर्ता एक-एक गांव से लेकर मंडल तक जाएगा, और जनता को जागरूक करेगा। बैठक में सचिन पायलट के अलावा कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रमानुसार कांग्रेस 10 जनवरी से 26 फरवरी 2026 तक कांग्रेस मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान चलाएगी। इस दौरान 10 जनवरी को सभी डीसीसी कार्यालयों में जिला स्तर पर अभियान के औपचारिक शुभारंभ के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी।

हजारों किसान नहीं बेच पाएंगे धान

सरकार के किसान विरोधी नीतियों के कारण धान बेचने से वंचित हुए किसान

रायपुर/ संवाददाता

पूर्व संसदीय सचिव व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कहा कि एग्रीस्टेक किसान पंजीयन की अनिवार्यता के बाद जिन किसानों ने पोर्टल में पंजीयन कराए हैं, वे किसान अब प्रशासनिक लापरवाही के चलते धान बेचने से वंचित हो रहे हैं। ग्राम डुमरपाली के किसान रैनसिंग ध्रुव भाजपा शासन के प्रशासनिक विफ्लता का शिकार है। किसान ने अपनी ओर से धान बेचने के लिए जरूरी सभी नियमों का पालन किया। पोर्टल में कर्मचारियों की लापरवाही से हुई गलती का खामियाजा आज उसे धान बेचने से वंचित होकर भुगतना पड़ रहा है। यह केवल एक अकेले रैनसिंग की कहानी नहीं, अपितु महासमुंद जिला सहित प्रदेश के हजारों किसानों की व्यथा हैं, जो आज भाजपा की साय सरकार के किसान विरोधी नीतियों के शिकार हो रहे हैं। श्री चंद्राकर ने कहा कि महासमुंद जिले में लक्ष्य के अनुरूप धान की खरीदी आधी भी नहीं हो पाई है। पंजीकृत किसानों में से आधे किसान धान नहीं बेच पाए हैं। उपर से जिले के हजारों किसान ऐसे हैं, जिन्होंने पूर्व के वर्षों में सुगमता पूर्वक धान बेचा, लेकिन इस बार शासन द्वारा लादे गए अनावश्यक नियमों में वे फँस चुके हैं। खेत का संपूर्ण दस्तावेज होने के बाद भी किसान का कहीं पंजीयन नहीं हो पा रहा है। वहीं, पंजीयन होने के बाद प्रशासनिक लापरवाही से हुई त्रुटियों से वे परेशान हैं। बार-बार जिला कार्यालय, संबंधित क्षेत्र का तहसील दफ्तर, पटवारी, सहित सोसायटियों के चक्कर लगाने विवश हो रहे हैं। पात्रता होते हुए भी धान नहीं बेच पाने से परेशान किसान द्वारा आत्मदाह की चेतावनी सरकार की विफ्लता को दर्शाता है।

कलिंगा विश्वविद्यालय के 75 निलंबित छात्रों को मिला प्रवेश

रायपुर। संवाददाता

कलिंगा विश्वविद्यालय, नया रायपुर में दिनांक 20 दिसंबर 2025 को विद्यार्थियों द्वारा अपनी 5 सूत्रीय जायज मांगों को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन किया गया था। उक्त आंदोलन के पश्चात विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा तानाशाही रवैया अपनाते हुए मुख्य अनुशासन अधिकारी के माध्यम से दिनांक 27 दिसंबर 2025 को आदेश जारी कर आंदोलन में सम्मिलित विद्यार्थियों पर अनधिकृत विरोध प्रदर्शन, अव्यवस्थित आचरण एवं अधिकारियों से दुर्व्यवहार जैसे निराधार आरोप लगाते हुए कुछ विद्यार्थियों को निष्कासित तथा कुछ को 6 माह के लिए निलंबित कर दिया गया था। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने इस निर्णय को प्रारंभ से ही लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया। एबीवीपी का स्पष्ट मत है कि विद्यार्थी अपनी शैक्षणिक एवं मूलभूत समस्याओं को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन करने का पूर्ण अधिकार रखते हैं। प्रशासन द्वारा विद्यार्थियों की आवाज को दबाने हेतु इस प्रकार के दमनात्मक निर्णय लेना न केवल निंदनीय है, बल्कि शैक्षणिक वातावरण को भी गंभीर रूप से प्रभावित करता है। इन्हीं मांगों को लेकर आज दिनांक 08 जनवरी 2026 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रायपुर महानगर द्वारा कलिंगा विश्वविद्यालय में आंदोलन किया गया। आंदोलन के पश्चात रजिस्ट्रार द्वारा तत्काल प्रभाव से सभी 75 निलंबित छात्रों को पुनः प्रवेश प्रदान किया गया, साथ ही निष्कासन एवं अन्य मांगों के लिए 7 दिन में समस्याओं के समाधान का आश्वासन। एबीवीपी की प्रमुख रूप से निष्कासित एवं निलंबित सभी छात्रों को तत्काल पुनः प्रवेश देने जाने, आंदोलन में सम्मिलित किसी भी विद्यार्थी के साथ भविष्य में किसी प्रकार का भेदभाव न किये जाने, हॉस्टल मैस में भोजन की गुणवत्ता में तत्काल सुधार किये जाने विश्वविद्यालय एवं हॉस्टल परिसर में सुचारू एवं प्रभावी वाय-फाय की सुविधा उपलब्ध कराई जाने, संगोष्ठी/सेमिनार के नाम पर विद्यार्थियों से अनिवार्य रूप से वसूले जाने वाले शुल्क को समाप्त कर स्वैच्छिक किये जाने की मांग की थी।

धान विक्रय की राशि से होगी घर की मरम्मत

धान उपार्जन से मिली राशि बनेगी घर मरम्मत का सहारा...

रायपुर/ संवाददाता

दुर्ग जिले के ग्राम अछोटी निवासी किसान श्री नुलम साहू के लिए इस वर्ष का धान उपार्जन आर्थिक संबल बनकर आया है। उन्होंने अपने 2 एकड़ 30 डिसमिल खेत में धान की फ्सल ली और कटाई के बाद अब रबी फ्सल की तैयारी में जुट गए हैं। धान उपार्जन के अंतर्गत उन्होंने 40 क्विंटल धान का विक्रय किया है। श्री नुलम साहू अपनी पत्नी के साथ धान उपार्जन केंद्र कुथरेल पहुंचे। केंद्र में उपलब्ध सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं को देखकर दोनों ने संतोष व्यक्त किया। शेड, पीने के पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं के कारण किसानों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है। इसके साथ ही केंद्र पर धान का नियमित उठाव भी किया जा रहा है। उपार्जन केंद्र पहुंचते ही धान की गुणवत्ता जांच की जाती है और तत्पश्चात तौल प्रक्रिया पूरी की जाती है। समिति के मजदूरों द्वारा उपलब्ध कराई गई बोरियों में धान भरने, सिलाई एवं तौल की समुचित व्यवस्था है। तौल पूर्ण होते ही किसानों को तुरंत रसीद प्रदान की जाती है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और भरोसेमंद बनी हुई है। किसान श्री नुलम साहू ने धान खरीदी की पारदर्शी और सरल व्यवस्था के लिए विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सरकार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष धान की उपज अपेक्षाकृत कम रही, फिर भी शासन की सुदृढ़ उपार्जन व्यवस्था से उन्हें राहत मिली है। श्री साहू ने कहा कि धान विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग वे अपने घर की मरम्मत में करेंगे, जिससे उनके परिवार को बेहतर और सुरक्षित आवास सुविधा मिल सकेगी। खरीदी गई धान का भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में किया जा रहा है। साथ ही धान खरीदी केंद्रों पर सतत निगरानी हेतु अधिकारियों की

तैनाती से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।

पारदर्शी धान उपार्जन व्यवस्था से किसानों को बड़ी राहत

प्रदेश में लागू पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित धान उपार्जन व्यवस्था किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। टोकन प्रणाली, त्वरित नाप-तौल, नमी परीक्षण एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन के चलते किसानों को धान विक्रय में अब किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ रहा है। इससे न केवल समय की बचत हो रही है, बल्कि किसानों का भरोसा भी शासन-प्रशासन पर लगातार मजबूत हो रहा है। बतौली विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत नवाबांध के लघु किसान श्री धर्मसाय राजवाड़े ने धान खरीदी व्यवस्था की सराहना करते हुए बताया कि इस वर्ष अच्छी वर्षा के कारण उनकी फ्सल बेहतर हुई। उन्होंने लगभग साढ़े चार एकड़ में धान की खेती की, जिससे 98 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ। समिति के माध्यम से उनका पहला टोकन 55.20 क्विंटल के लिए मिला और पूरी प्रक्रिया सुचारु रूप से संपन्न हुई। श्री राजवाड़े ने बताया कि शिवपुर धान उपार्जन केंद्र में गेट पास, नमी परीक्षण तथा बारदाना तुरंत उपलब्ध कराया गया। केंद्र में पेयजल एवं बैठने की समुचित व्यवस्था है तथा समिति के कर्मचारियों द्वारा पूरा सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में प्रदेश में धान का 3100 रुपये प्रति क्विंटल का सर्वाधिक मूल्य मिल रहा है।

संपादकीय

धमकी भर से हड़कंप

ट्रंप भारत को लगातार धमकियां दे रहे हैं, इसके बावजूद कि भारत ने अमेरिका से दोगुना तेल खरीदा है। मुद्दा है कि भारत अमेरिका के सामने इतना लाचार क्यों नजर आता है? जाहिरा तौर पर इसकी वजह भारत की अपनी कमजोरियां हैँ। डॉनल्ड ट्रंप ने संकेतों की भाषा में धमकी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें खुश रखें, वरना भारत और वे और टैरिफ लगा देंगे। इतने भर से भारत के कारोबार जगत में बेचैनी फैल गई। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन्स ने कहा कि अमेरिका ने मौजूदा 50 फीसदी टैरिफ को बढ़ाया, तो उसका भारतीय निर्यात पर बहुत खराब असर होगा। खासकर निर्यात के पारंपरिक क्षेत्र इससे अधिक प्रभावित होंगे। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि पहले से लगे टैरिफ के कारण बीते मई से नवंबर तक अमेरिका के लिए भारतीय निर्यात में 20.7 प्रतिशत की गिरावट आई। टैरिफ और बढ़ा, इस गिरावट की रफ्तार और तेज हो जाएगी। जीटीआरआई ने ध्यान दिलाया कि भारत के पास रूसी तेल के सबसे बड़े खरीदार चीन की तरह सौदेबाजी की ताकत नहीं है। इसलिए ट्रंप भारत को लगातार धमकियां दे रहे हैं, इसके बावजूद कि भारत ने गुजरे महीनों में अमेरिका से दोगुना तेल खरीदा है। मुद्दा है कि भारत अमेरिका के सामने इतना लाचार क्यों नजर आता है? जाहिरा तौर पर इसकी वजह भारत की अपनी कमजोरियां हैँ। हाल में एक आरटीआई अर्जी पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने स्वीकार किया था कि भारतीय निर्यात में आई गिरावट का कारण सिर्फ अमेरिकी टैरिफ नहीं है। बल्कि लागत सामग्रियों की महंगाई, उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं इसकी जांच करने की सुविधाओं की कमी, और पर्याप्त संख्या में शिपिंग कंटेनर्स का उपलब्ध ना होना भी भारतीय निर्यात के सामने प्रमुख रुकावटें हैं। गुजरे नवंबर में एक बैठक के दौरान भारतीय निर्यातकों ने इन समस्याओं की जानकारी वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को दी थी। जिस समय ट्रंप प्रशासन ने अपनी एकतरफा कार्रवाइयों से विश्व व्यापार के पुराने नियम बदल दिए हैं, केंद्र और भारतीय उद्योगपतियों को इन मसलों के समाधान ढूंढने को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए थी। टैरिफ भले अचानक लगा हो, मगर उपरोक्त समस्याओं पर ध्यान तो पहले से होना चाहिए था। इन रुकावटों के कारण दूसरे बाजारों तक पहुंचने के प्रयास भी कठिन बने हुए हैं। इस बीच ट्रंप की धमकियों को चुपचाप सुनना भारत की मजबूरी बनी हुई है।

भारतीय खेलों का निर्णायक क्षण

राहुल बोस

2025 भारत के खेलों के लिए एक निर्णायक वर्ष साबित हुआ। यह साल सिर्फ अंतरराष्ट्रीय मेडल जीतने के लिए महत्वपूर्ण नहीं था, बल्कि इसलिए भी खास रहा क्योंकि भारत के खेल तंत्र में बड़े बदलाव शुरू हुए। सरकार और निजी क्षेत्र ने खेलों में निवेश बढ़ाया, नई नीतियां बनाई गई और खेल सुविधाओं का विस्तार किया गया। अब इन कदमों को आगे बढ़ाने की जरूरत है ताकि भारत खेलों में मज़बूत और सफल राष्ट्र बन सके। इस साल सरकार ने नेशनल स्पोर्ट्स पॉलिसी (एनएसपी) 2025 को मंजूरी दी। यह नीति भारतीय खेलों के लिए एक लंबी अवधि की सोच और बेहतर अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन का लक्ष्य तय करती है। भारत पहले ही 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी कर रहा है और 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की इच्छा भी जताई है। इसके बाद नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस एक्ट 2025 लागू किया गया। इस कानून ने खेल प्रशासन की व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है। अब फैसले मनमर्जी से नहीं, बल्कि पारदर्शी तरीके और तय नियमों के अनुसार होंगे। इस कानून में खिलाड़ियों को केंद्र में रखा गया है। चयन प्रक्रिया, फंडिंग से जुड़े फैसले और शिकायत निवारण जैसी चीजों के लिए साफ नियम, मानक और समय-सीमा तय की गई है। इससे अनियमितता कम होगी और खिलाड़ियों, खासकर छोटे शहरों और कम सुविधाओं वाले पृष्ठभूमि से आने वाले खिलाड़ियों के बीच भरोसा बढ़ेगा। मेरे लिए सबसे खास बात यह है कि पहली बार इस कानून के तहत खेल संगठनों को अनिवार्य रूप से एक सेफ स्पोर्ट्स पॉलिसी अपनानी होगी, ताकि महिलाओं, नाबालिग खिलाड़ियों और कमजोर वर्ग के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही उन्हें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार एक आचार संहिता भी लागू करनी होगी। एक स्वतंत्र नेशनल स्पोर्ट्स बोर्ड और विशेष स्पोर्ट्स ट्रिब्यूनल निगरानी रखेंगे, जिससे स्थिरता और निरंतरता बनी रहेगी। वहीं, खिलाड़ियों की भागीदारी और महिलाओं को निर्णय लेने वाली समितियों में शामिल करना, खेल संघों में शक्ति संतुलन को बेहतर बनाता है। इन सभी बदलावों से खेल व्यवस्था में निष्पक्षता, भरोसा और लंबी अवधि की स्थिरता आएगी, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय खिलाड़ियों में व्यक्तिगत रुचि दिखाई है। वे खिलाड़ियों और टीमों को अपने घर बुलाकर सिर्फ सम्मान ही नहीं देते, बल्कि उनसे खुलकर बातचीत भी करते हैं। इन मुलाकातों में खिलाड़ियों की जीवन यात्रा, उनकी चुनौतियाँ, त्याग और सफलताओं पर बात होती है। मैं भी अलग-अलग खेलों में भारत की प्रगति को बड़ी दिलचस्पी से देख रहा हूँ। इसी महीने जोशना चिनप्पा, अभय सिंह और अनाहत सिंह ने इतिहास रचा, जब भारत ने हांगकांग को 3-0 से हराकर पहली बार स्क्वैश वर्ल्ड कप का खिताब जीता। भारतीय महिलाओं ने 2025 में दुनिया के खेल मंच पर शानदार प्रदर्शन किया। नवंबर 2025 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला वर्ल्ड कप जीता। इसी तरह, भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने भी अपनी पहली टी20 वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचा। मुक्केबाज़ी में भी भारत ने शानदार शुरुआत की और वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल 2025 में नौ स्वर्ण पदक जीते। एशियन यूथ गेम्स 2025 में भी भारत ने अब तक का अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बिहार के राजगीर में हुए एशिया कप 2025 में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब जीता और आठ साल बाद फिर से एशियाई चैम्पियन बनी। 18 साल की शीतल देवी पैराआर्चरी में विश्व चैंपियन बनीं, और दिव्या देशमुख पहली भारतीय महिला बनीं जिन्होंने फाइड (स्नद्बष्ठश्व) महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीता।2025 में भारत की खेल सफलताएँ सिर्फ कुछ बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों तक फैलीं।

क्या टीएमसी-ईडी विवाद का पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव पर प्रभाव पड़ेगा? समझिए इसके सियासी मायने

कमलेश पांडे

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के दृष्टिगत राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और प्रमुख विपक्षी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जो केंद्र में सत्तारूढ़ है, के बीच जिस तरह की सियासी जंग छिड़ी हुई है; केंद्र व राज्य की प्रशासनिक मिशनरियों के दुरूपयोग की बातें सुनी जा रही हैं, उससे साफहै कि दिल्ली की तत्कालीन सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया अरविंद केजरीवाल की ही तरह पश्चिम बंगाल की मौजूदा मुखिया ममता बनर्जी को उनके पद से हटाकर ही भाजपा रहेगी।

यही वजह है कि भाजपा ने मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर को शह प्रदान करने वाली कंपनी आई-पैक की नकेल कसने का निश्चय किया है और अपनी प्रशासनिक प्रभाव वाली मिशनरी ईडी को उसके पीछे लगा दिया है, जैसा कि आरोपी लगते आये हैं। तभी तो टीएमसी और ईडी के बीच कोयला तस्करी से जुड़े आई-पैक छापों पर विवाद तेज हो गया है, जहां ममता बनर्जी ने केंद्रीय एजेंसी पर चुनावी डेटा चोरी का आरोप लगाया है। वहीं, ईडी का दावा है कि ममता ने जांच में बाधा डाली और महत्वपूर्ण दस्तावेज ले लिए। देखा जाए तो यह विवाद 2026 बंगाल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्र-राज्य टकराव को उभार रहा है।

बताते चलें कि ईडी ने 7-8 जनवरी 2026 को कोलकाता और दिल्ली में आई-पैक (टीएमसी की चुनावी सलाहकार फर्म) के 10 ठिकानों पर छापे मारे, जो कोयला घोटाले से जुड़े हैं। इससे विचलित हुईं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद ही छापे स्थल पहुंचीं और अपनी पार्टी की जरूरत वाली दस्तावेज बचाकर ले गईं, जिसे ईडी ने बाधा बताते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की। वहीं, टीएमसी ने भी कोर्ट में ईडी पर राजनीतिक डेटा चुराने का केस ठोका, जबकि कोलकाता पुलिस ने ईडी के खिलाफदो मामले दर्ज किए।

इस प्रकार उक्त विवाद का राजनीतिक प्रभाव स्पष्ट है। कुलमिलाकर यह विवाद टीएमसी को 'केंद्र की साजिश' का शिकार दिखाने में मदद कर रहा है, जो उसके वोट बैंक को एकजुट कर सकता है। जबकि भाजपा इसे भ्रष्टाचार उजागर करने का मौका मान रही है, खासकर पुराने घोटालों (स्कूल जॉब्स, पीडीएस) के बाद। वहीं अन्य विपक्षी दल जैसे कांग्रेस और आप टीएमसी का समर्थन कर रहे हैं, जबकि सीपीआई(एम) इसे स्टेज्ड ड्रामा बता रहा है।

इससे पुन: यह सवाल उठता है कि आखिर चुनाव से ठीक पहले शुरू हुआ यह राजनीतिक और प्रशासनिक ड्रामा किसके पक्ष में जाएगा? शायद टीएमसी के पक्ष में, क्योंकि इस विवाद से भी ममता की 'संघर्षरत नेता' की छवि मजबूत हो रही है। वहीं, जिस तरह से नई दिल्ली में टीएमसी सांसदों के प्रदर्शन से इंडिया गठबंधन को मजबूती मिली है, उससे साफ है कि चुनावी डेटा चोरी का नैरेटिव मुस्लिम-दलित वोटों को पुन: लोकसभा चुनाव 2024 की तरह ही एकजुट कर सकता है। क्योंकि टीएमसी को वोट एकीकरण में मदद मिलेगी, उसकी केंद्र-विरोधी नैरेटिव मजबूत होगी। यह बात दीगर है कि यदि कोर्ट में हार मिली तो इससे उनकी छवि को धक्का पहुंचेगा।

हालांकि, भाजपा के पक्ष में सकारात्मक बात यह है कि यदि ईडी कोयला घोटाले में ठोस सबूत लाती है, तो टीएमसी नेताओं (अभिषेक बनर्जी से जुड़े केस) पर दबाव बनेगा और भाजपा 'विकास 1ह्य भ्रष्टाचार' पर हमला बोल सकेगी। वहीं, कोर्ट फैसला भाजपा को नैतिक ऊंचाई दे सकता है। यदि ऐसा हुआ तो, जैसा कि दिल्ली का अनुभव चुगली कर रहा है कि केजरीवाल के बाद ममता का सियासी शिकार करके ही भाजपा दम लेगी। क्योंकि भाजपा भ्रष्टाचार के मुद्दे पर एक्सपोजर पा जाएगी और राज्य सरकार पर दबाव बनाने में सफ्ल होगी, जबकि जोखिम यह है कि उसपर एजेंसी दुरुपयोग का आरोप पुष्ट होगा, जिससे जनता का मूड बदला तो उसे लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

सुलगता सवाल है कि आखिर इस विवाद का चुनावी प्रभाव पश्चिम बंगाल पर कितना होगा? तो जवाब होगा कि टीएमसी-ईडी विवाद पश्चिम बंगाल के अप्रैल 2026 विधानसभा चुनावों पर सीमित, लेकिन लक्षित प्रभाव डाल सकता है, खासकर करीबी सीटों (लगभग 90) पर जहां वोट अंतर कम है। यह केंद्र-राज्य टकराव को तेज कर टीएमसी को 'पीड़ित' की छवि दे रहा है, लेकिन लंबे समय तक भ्रष्टाचार के आरोपों से उसकी साख को नुकसान पहुंचा सकता है। जहां तक टीएमसी पर प्रभाव की बात है तो इस विवाद से टीएमसी का कोर वोट बैंक (मुस्लिम-दलित) एकजुट हो सकता है, क्योंकि ममता की 'साजिश के खिलाफलड़ाई' वाली इमेज मजबूत हुई है। वहीं नई दिल्ली प्रदर्शन और इंडिया गठबंधन का समर्थन मिलने से राज्य में सहानुभूति पैदा कर 5-10 सीटें बचा सकता है। हालांकि, कोयला घोटाले जैसे पुराने केस दोहराने से शहरी/मध्यम वर्ग में असंतोष बढ़ेगा। जहां तक भाजपा पर प्रभाव की बात है तो भाजपा को भ्रष्टाचार उजागर करने का नैरेटिव मिला है, जो उसके 'परिवर्तन' एजेंडे को मजबूत करेगा, विशेषकर आदिवासी/हिंदू बहुल क्षेत्रों में। यदि कोर्ट ईडी के पक्ष में फैसला देता है, तो 10-15 सीटों पर फायदा संभव; वोटर लिस्ट स्ड्डक्र विवाद के साथ मिलकर ध्रुवीकरण तेज करेगा। जबकि जोखिम यह है कि एजेंसी दुरुपयोग का आरोप विपक्ष को मजबूत बनाएगा। जहां तक कुल चुनावी प्रभाव की बात है तो कुल 294 सीटों में यह विवाद 20-30 सीटों तक सीमित रह सकता है, क्योंकि बंगाल में स्थानीय मुद्दे (बेरोजगारी, स्ड्डक्र, बांग्लादेश तनाव) हावी हैं।

सवाल है कि इस विवाद से प्रभावित 90 विधानसभा सीटें कौन-कौन सी हैं तो जवाब होगा कि टीएमसी-ईडी विवाद से प्रभावित 90 विधानसभा सीटों का विश्लेषण वोटर लिस्ट विवाद (स्ड्डक्रयोजना से 56 लाख नाम हटने) से जुड़ा है, न कि सीधे ईडी छापों से। ये वे सीटें हैं जहां वोटर अंतर कम (5,000 से कम) है और नाम हटने से टीएमसी का वोट बैंक प्रभावित हो सकता है। प्रभावित क्षेत्र यानी 90 सीटें मुख्यत: दक्षिण बंगाल (हावड़ा, हुगली), उत्तर बंगाल (कूचबिहार, जलपाईगुड़ी), और कोलकाता उपनगरीय इलाकों में हैं। ईडी विवाद इनमें टीएमसी को सहानुभूति दे सकता है, जबकि भाजपा भ्रष्टाचार फोकस बढ़ाएगी। इस विवाद से प्रभावित होने वाली प्रमुख सीटें निम्नलिखित हैं: पहला, दक्षिण 24 परगना (30+ सीटें): बासिरहाट उत्तर, हरिर्पाड़ा, बस्ती हावड़ा ङ्क मुस्लिम बहुल, नाम हटने से 7.5न्न प्रभाव। दूसरा, उत्तर 24 परगना (20 सीटें): बिद्हन्नागर, राजारहाट, बारीसपुरङ्क शहरी, मध्यम वर्ग असंतोष। तीसरा, हुगली-हावड़ा (15-20): चंद्रताल, सिंगुर, पानतड़सङ्क 2021 के करीबी मुकाबले। चतुर्थ, उत्तर बंगाल (15): माथाभांगा, तुलराम, फ्ल्टाङ्क आदिवासी/राजबंशी प्रभावित। इससे साफ है कि नो रिस्क, नो गेन की सियासत जारी रहेगी।

दिल्ली-ढाका के रिश्तों में बढ़ेगी खटास

कौन संभालेगा बांग्लादेश की बागडोर?

डॉ. सुधीर सक्सेना

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की चेयरपर्सन बेगम खालिदा जिया नहीं रहीं। 30 दिसंबर को फज्र की नमाज के बाद उन्होंने ढाका के एवर केयर हास्पिटल में अंतिम सांस ली। वह 23 नवंबर से अस्पताल में भर्ती थीं और दिल, ज़िगर और गुर्दे के अनेक विकारों के अलावा मधुमेह और उच्च रक्तचाप से पीड़ित थीं। रात दो बजे के करीब अस्पताल के डॉक्टर प्रो. एजेडएम हुसैन ने पत्रकारों को यह कहकर ब्रीफ किया कि बेगम ज़िया गंभीर संकट से गुज़र रही हैं, लेकिन करीब चार घंटों के बाद उन्होंने ऐलान किया कि 80 वर्षीया बेगम नहीं रहीं। गौरतलब है कि बेगम शेख हसीना वाजेद के भारत में शरण लेने के बाद बेगम जिया बांग्लादेश में सबसे शक्तिशाली नेता के तौर पर चिन्हित थीं और आगामी 12 फरवरी को आसन्न चुनाव में उनकी पार्टी बीएनपी की सत्ता में वापसी का कयास लगाया जा रहा था। बेगम जिया ने जब आंखें मूंदी, तब उनका भरपुरा कुनबा वहां मौजूद था। उनके बेटे तारिक रहमान, बहू जुबैदा रहमान, बेटी ज़ैमा के अलावा दिवंगत पुत्र अराफत रहमान कोके की बेवा सैयदा शमीला रहमान और बेटियां जाहिया एवं जाफिया, छोटा भाई शमीर इस्कंदर उसकी पत्नी कनीज फातिमा, दिवंगत भाई सईद की पत्नी नसरीन और बहन सेलिना इस्लाम उनके आखिरी लम्हों में उनकी नज़रों के सामने थे। बेगम जिया का जन्म 12 फरवरी, सन 1945 को भारत में जलपाईगुड़ी में हुआ था। उनका लाड़प्यार का नाम पुतुल था। विभाजन पर उनका परिवार पूर्वी पाकिस्तान चला गया। उनकी प्रारंभिक शिक्षा दीक्षा दिनाजपुर में मिशनरी एवं गर्ल्स स्कूल में हुई। सन 1965 में कैप्टेन जिया उर रहमान से शादी के बाद वह पाकिस्तान चली गयीं। बाद में कैप्टेन जिया बांग्लादेश के राष्ट्रपति रहे और खालिदा सन 1977-81 में देश की प्रथम महिला। कैप्टेन जिया ने सन 1978 में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की स्थापना की। 30 मई, 1981 को कैप्टेन जिया की हत्या के बाद जनवरी, सन 82 में बेगम ने बीएनपी ज्वाइन की और 10 मई सन 84 को वह पार्टी की चेयरपर्सन चुनी गयीं। जीवन के आखिरी पल तक वह इस पद पर बनी रहीं। सन 1991 से 1996 और फिर सन 2001 से 2006 तक प्रधानमंत्री रहकर उन्होंने इतिहास रच दिया। सन 2008 से 2014 के दरम्यान वह शेख हसीना वाजेद के प्रधानमंत्रित्व काल में नेता प्रतिपक्ष रहीं।

दरअसल, बांग्लादेश की राजनीति में खालिदा जिया और शेख हसीना को प्रतिद्वंद्वी और विरोधी विचारधारा के प्रतिनिधि के तौर पर देखा जाता रहा है। शेख हसीना को जहां भारत के साथ अच्छे संबंधों और अल्पसंख्यकों के प्रति सदाशयता की हिमायती के तौर पर देखा जाता है, वहीं खालिदा जिया भारत-विरोधी बांग्ला राष्ट्रवाद का प्रतिनिधित्व करती रहीं। वह मजहबी ताकतों को पोसने के लिये जानी जाती हैं। तीस्ता तीरे जनमी खालिदा की चर्चा आमोखास में रही है। उन्हें कमर मुरादावादी का शेर अब मैं समझा तिरे रूख्सार पे तिल का मतलब। दौलते-हुस्न पे दरबान बिठा रखा है% निहायत पसंद था। माना जा रहा था कि वह बीएनपी के पुनर्सत्तारोहण की वाहिका बनेंगी, लेकिन उनके निधन से सियासत की मुंडेर पर अटकलों का सब्जे उग आये हैं। यह सौ फीसदी तय है कि अब उनका बेटा तारिक उनका उत्तराधिकार संभालेगा और अवामी लीग पर पाबंदी के साये में चुनाव के बाद वही बतौर पीएम देश की बागडोर संभालेंगे। यूं तो बांग्लादेश की सियासत बंगबंधु मुजीबुर्रहमान की हत्या के बाद ही बेपटरी हो गयी थी, किंतु शेख हसीना के पलायन के बाद कटटरपंथी इस्लामी तत्वों की बन आई है। हिंदुओं की नृशंस हत्याएं और दमन इसका प्रमाण है। बांग्लादेश में भारत विरोधी भावना को पाकिस्तान और चीन शह दे रहे हैं और उनकी गुप्तचर एजेंसियां वहां सक्रिय हैं। ढाका-इस्लामाबाद-वीजिंग नयी धुरी के तौर पर उभर रहे हैं ओर भारतीय सीमा के मात्र 12-15 किमी दूर लालमोनिरहाट एयरबेस को फिर से शुरु करने की चीन को अनुमति मिल गई है। अचरज की बात है कि इस्रायल बांग्ला फौज को प्रशिक्षण व उपकरण दे रहा है। हालात संकेत करते हैं कि आगामी समय में दिल्ली और ढाका के रिश्तों में खटास बढ़ेगी।

सब कुछ आईने की मानिंद साफ है। कहीं कुछ भी कुहरिल या गोपन नहीं। वेनेजुएला में तीन जनवरी शनिवार की स्याह सर्द रात में जो कुछ हुआ वह अमेरिकी नव उपनिवेशवाद का ऐसा खूंखार आक्रामक चेहरा है जिस पर निर्लज्जता का लेप नजर आता है। भूमिका बरसों से बन रही थी, किंतु यह अंदेशा कतई नहीं था कि राष्ट्?पति डोनाल्ड ट्रम्प के निर्देश पर अमेरिकी डेल्टा फोर्स काराकास में %ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिजॉल्व को इस तरह अंजाम देंगे। अमेरिकी सेना ने मुहिम को इस खूबी से संचालित किया कि किसी को पेशगी भनक भी न लगी। वेनेजुएला के सुरक्षा-बल कोई प्रतिरोध नहीं कर सके और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो अप?नी पत्नी सिलिया फ्लोरेंस के साथ-डेल्टा फोर्स के हत्थे चढ़ गये। वह राजधानी काराकास में सैनिक अड्डे में पत्नी के साथ निश्चिंत सो रहे थे कि अमेरिका के फौजी जवानों ने उन्हें दबोच लिया। मादुरो ने नजदीकी इस्पाती कक्ष में भागने की कोशिश कीं, किंतु असफल रहे। उन्हें बलात खींचते हुये बाहर ले जाया गया। उन्हें हथकड़िया पहनाई गयी और आँखों पर पट्टी बाँध दी गई। कुछ ?ही घंटों बाद वह अमेरिका में थे। इस दशा में वह लोअर मैनहट्टन में थे और उपस्थित जनों को %गुडनाइट% और हैप्पी न्यू इयर% कहते पाये गये। अमेरिकी डिटेंशन सेंटर में रखे गये मादुरो पर अब मादक पदार्थों की तस्करी व अन्य अपराधों के लिये अमेरिकी कानून के तहत मुकदा चलेगा। इस मुकदमें के फैसले का अनुमान लगाना कठिन नहीं है।

अमेरिकी सेना को इस आक्रामक कारवाई के पूरा करने में बमुश्किल तीस मिनट लगे। जिस टुकड़ी ने इसे संपन्न किया, उसे फौज की एलीट टुकड़ी माना जाता है। इस कथित भद्र टुकड़ी ने पिछली लगभग एक छमाही में खूब तैयारी और अभ्यास किया। मादुरो क्या खाते हैं कहाँ जाते हैं और क्या पहनते हैं, यहाँ तक कि उनके पेटस (कुत्तों) की गतिविधियों की राई रत्ती जानकारी जुटाई गयी। रिहर्सल के लिये उनके ठिकाने की अनुकृति तैयार की गयी और चाक-चौबंद इंतजाम के बाद मिशन को अंजाम दिया गया। इस अभियान में अमेरिका ने आधुनिकतम अपाचे हेलीकाप्टरों का भी इस्तेमाल किया। गौरतलब है कि अपाचे के साथ प्रतिरोध का ऐतिहासिक जनजातीय संदर्भ जुड़ा हुआ है।

यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि अमेरिका को अपनी आक्रामक सैन्य कार्रवाई में किसी प्रतिरोध का सामना क्यों नहीं करना पड़ा? अमेरिकी पाबंदियों और ट्रंप की चेतावनियों के परिप्रेक्ष्य में मादुरो को सजग और सन्नद्ध रहना था। क्या वह ट्रंप के अंतिमेत्थम को घुड़की मान रहे थे? वह अपनी सुरक्षित मांद में होते तो उन्हें दबोचना मुश्किल था, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। मादुरो ने सन 2013 में शावेज के उत्तराधिकारी के तौर पर सत्ता संभाली थी, घरेलू और वैदेशिक नीति में वह शावेज के नक्शे पर चले। उन्होंने खुद तेल भंडारों का दोहन करना चाहा, जिन पर वाशिंगटन की अर्से से गिद्ध दृष्टि है। सन 2018 और सन 2024 के आम चुनावों में उन पर %वोट चोरी% के गंभीर आरोप लगे। अमेरिका और योरोपीय देशों समेत घरेलू विपक्ष ने माना कि मादुरो चुनावी धांधली से फिर से सत्ता में आये हैं। अमेरिका ने उन पर खुल्लमखुल्ला नारको-टेररिज्म का आरोप लगाया और कहा कि मादुरो ड्रग कार्टेल का संचालन कर रहे हैं। कार्टेल डेलॉस सोल्स के संचालन और अन्य आरोपों से बिंधे मादुरो को असफल कू-दे-ता, विरोध प्रदर्शनों, धांधली के आरोपों, आर्थिक पाबंदियों आदि का सामना करना पड़ा। इस बीच वेनेजुएला में मुद्रा स्फीति की दर, मंहगाई और गरीबी बढ़ती गयी। जब-तब तेल निर्यात से उसे राहत मिली। वह तेल की बदौलत भयावह संकट से उबर भी जाता, लेकिन ट्रंप ने मादुरो की मुश्कें कसने की कसम खा रखी थी। अमेरिका ने रणनीति के तहत एंटी-ड्रग्स मुहीम छेड़ी, शैडो-फ्लीट पर पाबंदी लगा दी, तीस नौकायें नष्ट कर दीं और बंदरगाहों की नाकाबंदी कर दी। मादुरो पर पहले 15 मिलियन डालर का ईनाम था, जो ट्रंप के पुन- सत्ता में आने पर 25 मिलियन डॉलर और हाल में बढ़ाकर 50 मिलियन डॉलर कर दिया गया। यह एक बड़ी रकम है। इसके लोभ में लगता है कि मादुरो के प्रहरी और अंगरक्षक उनका साथ छोड़ गये। अंतत- उनका हश्र भी कर्नल गद्दाफी और सद्दाम हुसैन सरीखा हुआ। वह जीते जी दुश्मन के हाथ लग गये।

दो करोड़ 85 लाख की आबादी का वेनेजुएला खनिज और तेल समृद्ध लातिनी अमेरिकी राष्ट्र है। तेल के अथाह भंडार के अलावा वहां लोहा, कोयले, सोने, हीरे और निकिल के बड़े भंडार है। पूर्व गुआना, ब्राजील और कोलंबिया से घिरे वेनेजुएला एंजेल समेत असंख्य सुंदर प्रपातों, वर्षा वन, सुरम्य उद्यानों, कदादुंबा में बिजली उत्पादन और मेरिडा में सर्वोच्च केबल कार के लिये जाना जाता है। सन 2025 के लिये शांति का नोबेल पुरस्कार भी यहां की मारिया कोरिना मचाडो को मिला। ट्रंप इस पुरस्कार के प्रबल दावेदार थे, लेकिन मचाडो ने उन्हें पछाड़कर बाजी मार ली। मचाडो मादुरो की प्रबल विरोधी हैं और उन्होंने अमेरिका से सैन्य हस्तक्षेप की बात भी की थी। नोबेल पुरस्कार के लिये वह बाहरी मदद से चुपचाप चोरी छिपे वेनेजुएला से निकलकर ओस्लो पहुंच गयी बताई जाती है।

इस बात में शक नहीं कि शेखीखोर ट्रंप के तेवर तीखे हैं। मादुरो को सबक सिखाने के बाद उनकी घुड़कियों का महत्व बढ़ गया है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वेनेजुएला में वही होगा, जो वह चाहेंगे। वेनेजुएला की सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक उपराष्ट्रपति सुश्री डेल्सी रोड्रिगेज अंतरिम राष्ट्रपति होंगी, लेकिन ट्रंप ने सुरक्षित, सही और न्यायपूर्ण सत्ता हस्तांतरण तक सत्ता हाथ में रखने की बात कही है। यानि अब संसाधन समृद्ध वेनेजुएला संयुक्त राज्य अमेरिका का उपनिवेश है। अमेरिका की विराट तेल कंपनियां वेनेजुएला में तेल उलीचेंगी और अनापशनाप मुनाफा बटोरेंगी। ट्रंप ने सेक्रेट्री ऑफ स्टेट मार्को रुबियो की डेल्सी रोड्रिगेज से बातचीत पर संतोष व्यक्त किया है। ट्रंप की दिक्कत यह है कि उनके देश में ही उनका विरोध हो रहा है। न्यूयार्क के मेयर ममदानी ने इस आक्रामक कार्रवाई का खुला विरोध किया है। रूस, चीन, ब्राजील, ईरान, क्यूबा, स्पेन, बेलिविया, चीले और कोलंबिया ने ट्रंप की निंदा की है, जबकि भारत ने पक्ष-विपक्ष में कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। समूचे विश्व में इसे दादागिरी और अंतराष्ट्रीय नियमों और राष्ट्रीय संप्रभुता का उल्लंघन माना जा रहा है। इसमें शक नहीं कि चीले, बोलीविया, डोमीनिकन रिपब्लिकन, इक्वेडोर, ग्वाटेमाला, हैती, मेक्सिको, पनामा और निकाराग़ुआ में हस्तक्षेप और तख्तापलट के बाद उसकी दाढ़ से खून लग गया है। अब सबकी नजर यूं तो पांच जनवरी को सुरक्षा परिषद की बैठक पर है, अलबत्ता यह सच है कि वेनेजुएला का प्रसंग खूँखार अमेरिकी नव-उपनिवेशवाद की ताजा कड़ी है।

गणेशजी को बेहद प्रिय है पान का पत्ता

पान के पत्ते का महत्व धार्मिक कार्यों में बहुत खास माना गया है और भगवान को अर्पित की जाने वाली वस्तुओं में पान का पत्ता जरूर शामिल किया जाता है। गणेशजी को पान सबसे प्रिय होता है, इसलिए उनकी पूजा में पान जरूर चढ़ाया जाता है। आज हम आपको पान के कुछ ऐसे उपाय बता रहे हैं जिनको करने से गणेशजी के साथ ही अन्य देवी और देवता भी प्रसन्न होंगे।

गणेशजी को पान बेहद प्रिय है और उनकी पूजा में पान अर्पित करना बहुत ही शुभफलदायी माना जाता है। शास्त्रों में पान को पुंगी फल कहा जाता है और भगवान को पान अर्पित करने से आपके घर में धन वृद्धि होती है और आपको सुख समृद्धि प्राप्त होती है। आज हम आपको बताने ता रहे हैं पान के कुछ खास उपाय। इन उपायों को करने से आपके सभी कष्ट दूर हो जाएंगे और बप्पा आपके जीवन में शुभ लाभ प्रदान करेंगे। आइए देखें कौन से हैं ये उपाय।

नए काम में सफलता के लिए

अगर आप कोई भी नया कार्य करने जा रहे हैं। कोई नया कारोबार शुरू करना चाहते हैं या फिर कहीं इंटरव्यू देने जा रहे हैं तो गणेशजी को पान के पत्ते पर लौंग और सुपारी अर्पित करके काम पर जाएं। ऐसा करने से आपको उस कार्य में सफलता मिलेगी। नई नौकरी में पद और वेतन आपको अपने मन के मुताबिक मिलेगा। लौटकर जब घर आएं तो इस पान सुपारी को प्रसाद के रूप में परिवार के सभी सदस्यों के बीच में बांट दें।

पान के पत्तों से शिवजी को करें प्रसन्न

गणेशजी के साथ ही भगवान शिव भी पान के पत्ते अर्पित करने से बहुत प्रसन्न होते हैं। पान के पत्ते में गुलकंद, कत्था, सुपारी, लौंग और इलाइची रखकर भगवान शिव को अर्पित करने से वह जल्द ही प्रसन्न होकर जातकों के मन की हर इच्छा पूर्ण करते हैं।

पान के पत्तों से दूर करें नजर दोष

वास्तु में पान के पत्तों का महत्व बहुत ही खास माना गया है। कहते हैं पान के अंदर नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करने की क्षमता होती है। अगर परिवार में किसी के ऊपर नजर दोष होने का शक है तो उस व्यक्ति को पान के पत्ते के साथ गुलाब की 7 पंखुड़ियां रखकर खिला दें। ऐसा करने से नजर का दोष दूर होता है और व्यक्ति स्वस्थ खुशहाल होता है।

धन की प्राप्ति के लिए पान का उपाय

अगर काफी मेहनत के बाद भी आपको धन कमाने में सफलता नहीं मिल रही है तो पान का यह उपाय आप करके देख सकते हैं। शुक्रवार के दिन पान के पत्ते पर सफेद बर्फी रखकर मां लक्ष्मी को अर्पित करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी आपसे प्रसन्न होंगी और आपके घर को धन से भर देंगी।

कौन थे भगवान स्वामीनारायण अक्षरधाम जैसे हैं दुनिया में जिनके कई मंदिर

आपने स्वामी नारायण संप्रदाय के भव्य मंदिरों को देखा होगा। गुजरात और दिल्ली सहित देश और दुनिया में इस संप्रदाय के हजारों मंदिर है। आओ जानते हैं कि कौन है भगवान स्वामीनारायण, जिनके नाम पर है एक प्रसिद्ध गाना...स्वामी नारायण नारायण हरि हरि भजमन नारायण नारायण हरि हरि।

अप्रैल 1781 में अयोध्या के पास छपिया नामक गांव में घनश्याम पांडे का जन्म हुआ। हाथ में पद्म और पैर से बज्र, ऊर्ध्व रेखा तथा कमल जैसे दिखने वाले चिन्ह देखकर ज्योतिषियों ने कहा कि यह बालक लाखों लोगों के जीवन को सही दिशा देगा। जन्म के 5 वर्ष की अवस्था में उन्होंने विद्या आरंभ की। 8 वर्ष की आयु में उनका जनेऊ संस्कार हुआ। इस संस्कार के बाद उन्होंने अनेकों शास्त्रों को पढ़ लिए। जब वे 11 वर्ष के हुए तब उनके माता-पिता हरिप्रसाद पांडे और प्रेमवती पांडे का देहांत हो गया। इसके बाद वे घर छोड़कर संन्यासी बनकर पूरे देश की परिक्रमा करने के लिए निकल पड़े। इसी दौरान उनकी नीलकंठ वर्णी के रूप में पहचान स्थापित हो चली थी। इस दौरान उन्होंने गोपाल योगी से अष्टांग योग सीखा।

कुछ समय बाद स्वामी रामानंद ने नीलकंठ वर्णी को पीपलाणा गांव में दीक्षा देकर उनका नाम सहजानंद रख दिया। एक साल बाद जैतपुर में उन्होंने सहजानंद को अपने सम्प्रदाय का आचार्य पद भी दे दिया। रामानंद के जाने के बाद सहजानंद जी गांव गांव जाकर स्वामी नारायण मंत्र का जप करने और भजन करने की अलख जगाने लगे।

भारत के कई प्रदेशों में भ्रमण करने के बाद वे गुजरात आकर रुके। यहां उन्होंने अपने एक नए संप्रदाय की शुरुआत की और उनके सभी अनुयायियों ने इस संप्रदाय को अंगीकार किया। तब वे पुरुषोत्तम नारायण कहलाए जाने लगे। उन्होंने देश में फैली कुरीतियों को खत्म करने के लिए कई कार्य? किए और जब भी देश में प्राकृतिक आपदाएं आई तो उन्होंने अपने अनुयायियों की मदद से लोगों की सेवा की। इस सेवाभाव के चलते लोग उन्हें अवतारी मानने लगे और इस तरह उन्हें स्वामी नारायण कहा जाने लगा। घनश्याम पांडे से नीलकंठवर्णी, नीलकंठ वर्णी से वे पुरुषोत्तम सहजानंद स्वामी और बाद में स्वामी नारायण बन गए।

मानव जाति और धर्म के लिए सेवाभाव की प्रेरणा देते हुए साल 1830 में स्वामीनारायण का देहांत हो गया, लेकिन उनके मानने वाले आज दुनिया के कोने-कोने में हैं जो उन्हें भगवान मानते हैं। उनकी मंदिरों में मूर्तियां स्थापित करके अब उनकी पूजा होने लगी है और साथ ही मंदिरों के माध्यम से भी उनका जीवन दर्शन देखा जा सकता है। जबकि सहजानंद ने नारायण नारायण जपने और श्रीहरि की भक्ति को ही सर्वोपरि माना।

षटतिला एकादशी 2026
ऐसे करें भगवान विष्णु को प्रसन्न

षटतिला एकादशी के दिन भगवान श्री विष्णु का पूजन करने तथा नहाने के जल में तिल मिलाकर स्नान करने, तिल का दान तथा तिल से हवन और तर्पण आदि करने का बहुत महत्व है। मान्यतानुसार इस दिन तिल का अधिक से अधिक उपयोग करने से ज्यादा पुण्य फल मिलता है।

प्रत्येक वर्ष माघ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को षटतिला एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस साल यह व्रत 14 जनवरी को है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान श्री हरि विष्णु की विधि-विधान से पूजा की जाती है।

प्रत्येक वर्ष माघ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को षटतिला एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान श्री हरि विष्णु की विधि-विधान से पूजा की जाती है। व्रत और पूजा के साथ ही इस एकादशी पर भगवान विष्णु को तिल का भोग लगाया जाता है। साथ ही तिल का दान भी किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि षटतिला एकादशी के दिन तिल का दान करने से स्वर्ग की प्राप्ति होती है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन जो व्यक्ति जितना तिल दान करता है, उसे उतने हजार वर्ष तक स्वर्ग में स्थान प्राप्त होता है।

षटतिला एकादशी पूजा विधि

- षटतिला एकादशी व्रत रखने वाले दिन गंध, फूल, धूप दीप, पान सहित विष्णु भगवान की षोडशोपचार से पूजन करें।
- उड़द और तिल मिश्रित खिचड़ी बनाकर भगवान को भोग लगाएं।
- रात को तिल से 108 बार ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय स्वाहा इस मंत्र से हवन करें।
- रात को भगवान के भजन करें, अगले दिन ब्राह्मणों को भोजन करवाएं।
- इसके बाद ही स्वयं तिल युक्त भोजन करें।

षटतिला व्रत का महत्व

हिंदू धर्म षटतिला एकादशी का बहुत ज्यादा महत्व है। इस व्रत के प्रभाव से घर में सुख-शांति के वास होता है। इस दिन तिल का विभिन्न तरह से इस्तेमाल करके हर कष्ट से छुटकारा पाया जा सकता है। इस व्रत को करने से जातक पर श्री हरि विष्णु की कृपा बनी रहती है।

गणेश जी ने कैसे तोड़ा कुबेर देव का घमंड

गणेश जी की कथाओं में जीवन प्रबंधन के सूत्र बताए गए हैं, इन सूत्रों को जीवन में उतारने पर हम कई परेशानियों से बच सकते हैं। यहां जानिए गणेश जी और कुबेर देव की कथा, जिसमें भगवान ने कुबेर देव का घमंड तोड़ा था।

देवताओं के कोषाध्यक्ष को एक दिन अपने पद और धन का घमंड हो गया है। इसी घमंड में वे शिव जी के पास पहुंच गए और शिव जी को सपरिवार अपने महल में खाने के लिए निमंत्रण दिया। शिव जी ने कहा कि आप हमें खाना खिलाएंगे, इससे अच्छा तो ये है कि आप जरूरतमंद लोगों को खाना खिलाएं।

कुबेर ने कहा कि भगवन, मेरे पास बहुत धन है और मैं जरूरतमंद लोगों को तो खाना खिलाता रहता हूं, लेकिन आज मेरी इच्छा है कि मैं आपके परिवार को भी खाना खिलाऊं। शिव जी समझ गए कि कुबेर को अपने धन और पद का घमंड हो गया है। उन्होंने कहा कि मैं तो कहीं आता-जाता नहीं हूं, आप एक काम करें, गणेश को अपने साथ ले जाएं। उन्हें भोजन करा दीजिए, लेकिन ध्यान रखें गणेश की भूख आसानी से शांत नहीं होती है।

कुबेर ने कहा कि मैं सभी को खाना खिलाता हूं तो गणेश जी को भी खिला दूंगा। खाने का निमंत्रण पाकर गणेश जी कुबेर के महल पहुंच गए। कुबेर ने उनके लिए बहुत सारा खाना बनवाया। गणेश जी खाने बैठे तो वे खाए जा रहे थे, थोड़ी ही देर में कुबेर की रसोई का पूरा खाना खत्म हो गया। गणेश जी ने और खाना मांगा। कुबेर ये देखकर घबरा गए। उन्होंने और खाना तुरंत बनवाया तो वह भी खत्म हो गया। गणेश जी बार-बार खाना मांग रहे थे। कुबेर ने गणेश जी के सामने हाथ जोड़ लिए और कहा कि अब तो मेरे घर का सारा खाना खत्म हो गया है। मैं और खाना नहीं खिला सकता। गणेश जी ने कहा कि लेकिन मेरी भूख तो अभी शांत ही नहीं हुई है। मुझे अपने रसोईघर में ले चलो। कुबेर गणेश जी को रसोईघर में ले गए तो वहां रखी सभी चीजें गणेश खा गए। गणेश जी अब भी भूखे थे। उन्होंने कहा कि मुझे भंडार गृह में ले चलो, जहां खाने का कच्चा सामान रखा है। कुबेर भगवान को अपने भंडार गृह में ले गए तो गणेश जी ने वहां रखी खाने की सभी चीजें भी खा लीं। अब तो कुबेर देव की बुद्धि ने काम करना बंद कर दिया। वे तुरंत ही शिव जी के पास पहुंच गए। उन्होंने शिव जी को पूरी बात बता दी। शिव जी ने गणेश जी से कहा कि जाओ, माता पार्वती को बुलाकर लाओ। मां पार्वती को देखकर गणेश ने कहा कि मां, कुबेर देव के खाने से मेरी भूख शांत नहीं हुई है। मुझे खाने के लिए कुछ दीजिए। पार्वती अपने रसोईघर में गईं और खाना बनाकर ले आईं। उन्होंने जैसे ही देवी ने गणेश जी को अपने हाथ से खाना खिलाया तो गणेश तृप्त हो गए। मां और खिलाने लगी तो गणेश जी ने कहा, मां मेरा पेट भर गया है। अब मैं नहीं खा सकता। ये सब देखकर कुबेर देव का घमंड टूट गया और उन्हें अपनी गलती समझ आ गई। कुबेर ने सभी से क्षमा मांगी। इस तरह भगवान गणेश ने कुबेर देव का पद और धन का घमंड तोड़ दिया। भगवान हमें यही संदेश दिया है कि जो लोग अपने पद और धन का घमंड करते हैं, उन्हें बाद में पछताना पड़ता है। इस बुराई को जल्दी से जल्दी छोड़ देना चाहिए।

इस गुफा में आज भी रखा है गणेशजी का कटा हुआ सिर

आज हम आपको पता रहे हैं कि एक गुफा के बारे में, जहां आज भी भगवान गणेश का कटा हुआ सिर रखा हुआ है। जब भगवान शिव ने क्रोध में आकर गणेशजी का सिर धड़ से अलग कर दिया था, तब बाद में माता पार्वती के कहने पर हाथी मस्तक लगा दिया था। उसके बाद कटे हुए सिर को शिवजी ने एक गुफा में सुरक्षित रख दिया था।

पहाड़ के 90 फीट अंदर है गुफा

भगवान शिव ने जहां भगवान गणेश का सिर रखा था, यह गुफा उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में स्थित है। इस गुफा को पाताल भुवनेश्वर के नाम से जाना जाता है। ये गुफा पहाड़ के करीब 90 फीट अंदर है। यहां विराजित गणेशजी की मूर्ति को आदिगणेश के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस गुफा की खोज 1191 ई. में आदिशंकराचार्य द्वारा की गई थी। इसका वर्णन स्कंद पुराण के मानस खंड में किया गया है।

इस दिन होगा कलियुग का अंत

पाताल भुवनेश्वर गुफा में चार युगों का प्रतीक के रूप में चार पत्थर मौजूद हैं। इनमें से एक पत्थर धीरे धीरे उपर उठ रहा है, उस पत्थर को कलयुग का प्रतीक माना जाता है। यह पत्थर एक हजार साल में एक बढ़ता है। बताया जाता है कि जिस दिन यह पत्थर दीवार से टकरा जाएगा, उस दिन कलियुग का अंत हो जाएगा।

शिवजी के साथ तैंतीस कोटि देवता हैं विराजमान

पाताल भुवनेश्वर गुफा के बारे में बताया जाता है कि यहां भगवान गणेश और शिव के साथ तैंतीस कोटि देवी देवता विराजमान हैं। इस गुफा में बद्रीनाथ, केदारनाथ और अमरनाथ के भी दर्शन होते हैं। बद्रीनाथ में बद्री पंचायत की शिला रूप मूर्तियां हैं, जिनमें यम कुबेर, वरुण, लक्ष्मी, गरुड़ और गणेशजी शामिल हैं। इस पंचायत के ऊपर बाबा अमरनाथ की गुफा है और पत्थर की बड़ी बड़ी जटाएं फैली हुई हैं।

मस्तक पर टपकती है दिव्य बूंद

पाताल भुवनेश्वर गुफा में काल भैरव जीभ के भी दर्शन होते हैं। मान्यता है कि काल भैरव के मुंह से गर्भ में प्रवेश कर उसके अंत तक यानी पूंछ तक पहुंच जाएं तो उसको मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। गुफा में भगवान गणेश की शिला रूपी मूर्ति के उपर 108 पंखुड़ियों वाला शबाष्टक दल ब्रह्मकमल शोभायमान है। इस ब्रह्मकमल से भगवान गणेश के मस्तक पर जल की दिव्य बूंद टपकती है। मुख्य बूंद आदि गणेश के मुख पर गिरती दिखाई देती है।

खबर-खास

उदात चरित्र है नहीं बात करते हैं वसुंधैव कुटुंबकम की

बिलासपुर (समय दर्शन)। जब विश्वविद्यालय केंद्रीय हो गया तो मान सम्मान का स्तर भी ऊंचा ही होना तय है। बिलासपुर का गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय एक बार फिर से चर्चा के दायरे में आ गया है। मुद्दा कुलपति प्रोफेसर आलोक चकरवाल द्वारा मेहमान साहित्यकार मनोज रूपन के साथ किया गया व्यवहार है। प्रोफेसर ने तो मेहमान साहित्यकार के साथ दुर्व्यवहार किया। पर हम उसे व्यवहार की श्रेणी में ही रखते हैं। तुलसीदास लिखे गए हैं आवत ही हरषै नहीं नैनन नहीं सनेह तुलसी तहां न जाइये कंचन बरसे मेह, अर्थ है कि जिस जगह या घर में आपके आने से लोग प्रश्नन न हों और आंखों में प्रेम ना हो वहां कभी नहीं जाना चाहिए भले ही वहां धन की वर्षा ही क्यों ना हो रही हो। पर अब वक्त है बाजारवाद का विश्वविद्यालय में बुलावा उसे ही दिया जाता है जिसका टीए डीए से लेकर सब कुछ पूर्व निर्धारित होता है। स्थानीय साहित्यकारों की अपेक्षा इस विश्वविद्यालय में पूर्व से ही चल रही थी और इस मुद्दे पर एक से अधिक बार स्थानीय साहित्यकारों ने अपना विरोध दर्ज भी कराया था, इस बार मामला महाराष्ट्र से आए मेहमान के साथ हो गया। बहुत ज्यादा खोज खबर लेने पर पता चल जाएगा की जिन लोगों को विश्वविद्यालय में आमंत्रित किया जाता है उनमें से संघीय विचारधारा के कितने हैं। इससे जुड़ा हुआ एक मामला अटल विश्वविद्यालय का भी है। एक दौर था एक शिक्षाविद को व्याख्यान के लिए बार-बार बुलाया जाता था। जानकारी लेने पर छुपे सूत्रों ने बताया कि उक्त शिक्षा वेद ने नक्सली मामले में एक बार मध्यस्थ करवाई थी। उसी का भुगतान करने के लिए यह रास्ता अपनाया गया। जीजीयू के मामले में बड़ी चर्चा हो रही है पर कोई नहीं पूछता कि इसी विश्वविद्यालय ने तानाशाही का उच्चतम शिखर दिखाते हुए अपने 190 कर्मचारियों का भविष्य अंधकार में धकेल दिया वे देश की सर्वोच्च अदालत से भी जीत कर आ गए पर उन्हें न्याय नहीं मिला। तो विश्वविद्यालय के गलीचे के नीचे ऐसी सैकड़ो कहानी शिशक रही है। यह मामला तो ऑडियो वीडियो में रिकॉर्ड हो गया है तो चर्चा में आ गई।

भाजपा मंडल बम्हनीडीह को मिला नया उपाध्यक्ष, तारेश्वर जायसवाल को मिली जिम्मेदारी

बिर्रा (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव के निर्देशानुसार एवं भाजपा जिलाध्यक्ष टिकेश्वर सिंह गबेल की अनुशंसा पर सिलादेही निवासी तारेश्वर जायसवाल को भारतीय जनता पार्टी मंडल बम्हनीडीह का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।पार्टी संगठन ने तारेश्वर जायसवाल पर विश्वास जताते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र में संगठनात्मक मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नियुक्ति की खबर मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा गया।पार्टी पदाधिकारियों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों ने तारेश्वर जायसवाल को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा आशा व्यक्त की कि वे पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को और अधिक सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना जितेन्द्र शर्मा को बिजली बिल से मिली राहत

मुंगेली(समय दर्शन)। आम नागरिकों को स्वच्छ, सस्ती एवं टिकाऊ ऊर्जा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अब जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव ला रही है। इस योजना के माध्यम से जिले के अनेक घर सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे हैं और लोग बिजली खर्च से मुक्त होकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह योजना न केवल नागरिकों को आर्थिक राहत प्रदान कर रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक मजबूत कदम साबित हो रही है। इसी क्रम में मुंगेली शहर के शिक्षक नगर निवासी जितेन्द्र शर्मा ने अपने घर की छत पर रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित कर योजना का लाभ लिया है। सोलर सिस्टम लगने के बाद उनका घर पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित हो रहा है, जिससे बिजली की खपत लगभग शून्य हो गई है। परिणामस्वरूप उन्हें अब मासिक बिजली बिल की चिंता नहीं करनी पड़ रही है। श्री शर्मा बताते हैं कि पहले हर महीने बिजली बिल एक बड़ा खर्च होता था, लेकिन सोलर सिस्टम लगने के बाद यह समस्या पूरी तरह समाप्त हो गई है।

मोहगांव विद्यालय में न्यौता भोज का आयोजन

सांकरा (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला मोहगांव के प्रधान पाठक भोजराज प्रधान के द्वारा 9 जनवरी दिन शुक्रवार को अपने जन्मदिवस के अवसर पर शासकीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक शाला, हाई स्कूल मोहगाँव के बच्चों के लिए न्यौता भोज का आयोजन किया गया । सर्वप्रथम विद्यालय के समस्त स्टॉफ शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में बच्चों के द्वारा अपने शिक्षक प्रधान सर का जन्म दिवस मनाया गया। तत्पश्चात विद्यालय के समस्त बच्चे, विद्यालय के समस्त स्टॉफ व शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों, ग्रामीणों ने मिलकर सहभोज का आनंद लिया। प्रधान जी के परिवार के द्वारा भोजन के साथ फ्ल, मिठाई, नमकीन, चॉकलेट की व्यवस्था की गई थी। शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष यशवंत बारीक ने इसे अनुकरणीय पहल बताया और साथ ही प्रधान पाठक भोजराज प्रधान को धन्यवाद देते हुए कहा कि हमारे विद्यालय में इस प्रकार का आयोजन सामुदायिक सहभागिता को बढ़ा?वा देगा।

हाई स्कूल प्राचार्य जगदीश कुमार ने कहा कि न्यौता भोजन का आयोजन बहुत ही शानदार रहा है। यह आयोजन भविष्य में हमारे विद्यालय के शिक्षकों एवं ग्रामीणों को प्रेरित करेगी कि वे अपनी खुशियों को विद्यालय में बच्चों के साथ न्यौता भोजन आयोजित कर मनाएंगे। मिडिल स्कूल के प्रधान पाठक रविलाल प्रधान ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से शिक्षकों और बच्चों के बीच आत्मीयता और उत्साह बढ़ता है। संकुल समन्वयक अंजय कश्यप ने प्रधान जी को बधाई देकर विद्यालय में न्यौता भोज के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त किया। प्रधान पाठक भोजराज प्रधान ने सभी बच्चों को आशीर्वाद दिया और न्यौता भोज कार्यक्रम में सहयोग करने वाले रसोईया, समिति सदस्यों, ग्रामीणों व शाला के समस्त स्टॉफको धन्यवाद दिया। इस अवसर पर व्याख्याता ए के बरिहा, बी एस भोई,शिक्षक एस आर बंजारे, गौरीशंकर पण्डा, श्रीमती कविता बढ़ाई, श्रीमती नीलिमा साहू, कु. ईश्वरी पटेल लालकुमार कुर्रे, अध्यक्ष यशवंत बारीक, रोहित प्रधान, बलदेव बारीक, रत्नाकर प्रधान, मोहन साव का सराहनीय सहयोग रहा।

छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन विकासखंड पाटन का पुनर्गठन

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन विकासखंड पाटन का पुनर्गठन 10.01.2026 दिन शनिवार को शासकीय प्राथमिक पी. एम थाला अखरा में पाटन राखंड क्षेत्र के छ.ग प्रदेश शिक्षक फेडरेशन का पुनर्गठन किया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य धि छ.ग. प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष श्री राजेश चटर्जी जी, विशिष्ट अतिधि द्वय-पांताधाक्ष श्री चंद्रशेखर चंद्राकर जी, प्रांत कोषाध्यक्ष श्री राजेन्द्र चन्द्राकर जी, विशेष अतिचि य श्री भानुप्रताप यादव जी जिलाध्यक्ष छ.ग तृतीय कर्मचारी संघ, श्री महेन्द्र कुमार साहू जी प्रांताध्यक्ष छ.ग पंचायत सचिव सप एवं अन्य विशेष अतिथि के रूप में श्री के के बछोर संरक्षक छ.ग प्रदेश शिक्षक फेडरेशन, श्री पवन कामड़े जी, श्री महेन्द्र वर्मा जी जिला सचिव एवं श्री मोरध्वज वर्मा प्राचार्य शास.उ.मा.वि. भिलाई 3 की पावन उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्षता श्री गोपेन्द्र कुमार साहू प्रधानपाठक शास.पू. मा. शाला अखरा पाटन, के द्वारा किया गग्ण। सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन छ.ग प्रदेश शिक्षक फेडरेशन दुर्ग संभाग महामंत्री श्री चंचल कुमार द्विवेदी के द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम मां शारदा पूजन से प्रारंभ हुआ, जिसके पश्चात् सर्वसम्मति से छ.ग प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के विकासखंड स्तरीय पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। जिसमें श्री प्रदीप कुमार वर्मा शिक्षक शास. पूर्व मां. शाला खम्हरिया को अध्यक्ष नियुक्त किया गया, उपाध्यक्ष द्वय श्री खिलेन्द्र कुमार साहू शिक्षक निपानी, श्री हरिशंकर देवांगन शिक्षक भनसुली, कोषाध्यक्ष श्री शेषनारायण साहू शिक्षक पन्दर, सहकोषाध्यक्ष- श्री गौतम साहू शिक्षक कुर्मीगुण्डरा, सचिव श्री सुशील साहू शिक्षक परसदा, सहसचिव द्वय सुश्री करूणा पटेल शिक्षिका चुलगहन, श्री दरबार सिंह साहू शिक्षक पन्दर, मीडिया प्रभारी सलाहकार पत्राचार श्री लक्ष्मीकांत तिवारी शिक्षक भनसुली, संगठन प्रभारी श्री पूर्णेश्वर यादव शिक्षक गब्दी, श्रीमती ममता साहू शिक्षिका सिपकोना एवं प्रवक्ता द्वय श्री रोहित अहीर शिक्षक मर्रा व श्री तोरण कुमार साहू नियुक्त किये गए। साथ ही श्री चंचल कुमार द्विवेदी जिला कार्यकारी अध्यक्ष जिला दुर्ग के लिए मनोनीत किया गया। उक्त कार्यक्रम में पाटन विकासखंड के शिक्षक फेडरेशन के सभी सदस्य गण उपस्थित रहें।

बीजेपी ने तोमन साहू को बस्तर संभाग के किसान मोर्चा प्रभारी का दिया दायित्व

बालोद (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव व प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय के अनुशंसा से प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा आलोक ठाकुर के द्वारा छत्तीसगढ़ के पांचो संभाग हेतु किसान मोर्चा के प्रभारी को नियुक्त किया गया । इस नियुक्ति में बस्तर संभाग के किसान मोर्चा प्रभारी के रूप में तोमन साहू, उपाध्यक्ष जिला पंचायत बालोद की नियुक्ति की गई है। उल्लेखनीय है कि साहू वर्तमान में जिला अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा रहते किसानों के हितों में अनेकों उल्लेखनीय कार्य करते हुए पूर्व में जिला महामंत्री किसान मोर्चा एवं प्रदेश कार्य समिति के पद पर आसीन रहे है. उनकी सक्रियता को देखते हुए इन्हें बस्तर का जवाबदारी दी गई है। साथ ही जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा सुरेंद्र देशमुख प्रदेश कार्यसमिति सदस्य के रूप दयानन्द साहू (पूर्व जनपद अध्यक्ष) ईशाप्रकाश साहू (पूर्व जनपद अध्यक्ष) पुष्पेंद्र चंद्राकर (पूर्व जिला पंचायत सदस्य) जनार्दन सिन्हा सुरेश देशमुख श्रीकांत वर्मा की भी नियुक्ति की गई तोमन साहू ने इस नियुक्ति के लिए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव और संगठन महामंत्री पवन साय प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा आलोक ठाकुर जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि वे इस जिम्मेदारी को पूरी तरह से निभाएंगे और बस्तर संभाग के किसानों के हित में काम करेंगे पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए काम करेंगे और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास करेंगे। इन नियुक्ति का स्वागत करने वाले में वरिष्ठ भाजपा नेता यज्ञ दत्त शर्मा पवन साहू कृष्ण कांत पवार राकेश यादव देव लाल ठाकुर बीरेंद्र साहू प्रीतम साहू अभिषेक शुक्ला अश्वनी यादव नरेश यदु देवेंद्र जायसवाल किशोरी साहू राकेश यादव छोटू सौरभ लूनिया याद राम साहू नन्द किशोर शर्मा कौशल साहू धरम साहू सोमेश साहू तारणि चंद्राकर सरस्वती टेमरिया प्रमोद जैन तोरण साहू लाल निवेंद्र टेकाम मुकेश कौड़े कांति सोनबरसा संध्या साहू प्रभा नायक तेज राम साहू चंद्रिका गंजीर चुन्नी मानकर ठाकुर राम चंद्राकर टिनेश्वर बघेल प्रेम साहू नरेश साहू टिकेश्वर पाण्डेय धर्मेंद्र साहू अरुण साहू लल्ला देवांगन लोकेश श्रीवास्तव शरद ठाकुर विनोद जैन कमल पमपलिया गुलशन साहू पंकज चौधरी आदित्य पिपरे रौनक कत्याल संदीप साहू अनूप देशमुख हेमंत साहू मनोहर सिन्हा शिवेंद्र देशमुख आदि सम्मिलित है।

कोयले के धंधे में अब सब काले, लोकतंत्र के चारों खम्भे एक समान

बिलासपुर (समय दर्शन)। रतनपुर से लेकर परसदा तक का पूरा इलाका इन दिनों कोयले के खुले काले बाज़ार का गढ़ बन चुका है। हैरानी की बात यह है कि यह पूरा अवैध कारोबार माइनिंग अधिकारियों के संरक्षण में धड़ल्ले से चल रहा है। कुछ लोग तो सरकारी जमीन पर कोयले से लदी ट्रक की आवाजाही के लिए रास्ता बनवा लिए है सालों पूर्व पंचायत से दबाव पूर्वक या मिलीभगत कर सरकारी जमीन का कोयला गाड़ियों के आने जाने के लिए उपयोग करने प्रस्ताव पारित कर व्यवसायिक उपयोग करते आ रहे है। ज्यादातर कोल डिपो संचालक बिना किसी डर के खुलेआम कोयले की कटिंग और हेराफेरी को अंजाम दे रहे हैं, जबकि जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठे हैं।

एफ-रोम, बी-रोम और ई-स्ट्रीम श्रेणी का कोयला इंडस्ट्रियल व फैक्ट्री उपयोग के लिए डीओ के माध्यम से कोरबा, हरदीबाज़ार, दीपका और विजय वेस्ट खदानों से रोज़ाना हजारों टन ट्रकों में लोड होकर रवाना होता है। लेकिन फैक्ट्रियों तक पहुंचते-पहुंचते उसी कोयले की क्वालिटी रहस्यमयी तरीके से गिर जाती है। यह कोई संयोग नहीं, बल्कि सुनियोजित लूट और मिलावट का खेल है, जिसमें डिपो संचालक और माइनिंग अधिकारी दोनों मालामाल हो रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, खनिज विभाग के अधिकारियों को उनकी तनख्वाह से पहले ही हर महीने मोटा कमीशन पहुंच जाता है। इसी वजह से रतनपुर से सरगांवङ्कपरसदा तक 50 से अधिक कोल डिपो 24 घंटे दिन-रात अवैध कटिंग का अड्डा बने हुए हैं। नियमों के मुताबिक इन डिपो की भंडारण क्षमता सीमित है—कहीं 20 हजार टन तो कहीं 25 हजार टन—लेकिन इसके बावजूद भारी मात्रा में कोयले का अवैध स्टॉक रतनपुर क्षेत्र में खड़ा किया जा रहा है। असल खेल बी-रोम कोयले की ट्रकों से कटिंग कर किया जा रहा है। डिपो संचालक 10 से 15 टन उच्च गुणवत्ता वाला बी-रोम कोयला निकालकर उसकी जगह घटिया किस्म का एफ-रोम कोयला मिलाकर ट्रक मालिकों को थमा देते हैं। इस खेल में ट्रक मालिकों को भी अच्छा मुनाफा मिलता है, जबकि डिपो संचालकों के हाथ आधे दाम में उम्दा कोयला लग जाता है। बाद में इसी चोरी के कोयले को एसईसीएल के डीओ में कागज़ों पर खपाया जाता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सब कुछ खुलेआम चल रहा है, तो प्रशासन और खनिज विभाग आखिर कब तक मूकदर्शक बने रहेंगे? या फिर यह मान लिया जाए कि पूरा सिस्टम ही इस काले कारोबार का हिस्सेदार बन चुका है।

ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों का सफल बीज उत्पादन : उप संचालक कृषि ने किया मैदानी निरीक्षण

बेमेतरा (समय दर्शन)। जिले में जल संरक्षण एवं कृषि विविधीकरण को बढ़ावा देने की दिशा में कृषकों द्वारा ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों को अपनाने का सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है। इसी क्रम में बेमेतरा जिले के ग्राम जेवरा, जिया, पत्थर्रा एवं रवेली में इस वर्ष कृषकों द्वारा चना, गेहूँ, सरसों एवं रागी जैसी वैकल्पिक फसलों का बीज उत्पादन कार्यक्रम अंतर्गत उत्पादन किया जा रहा है। उक्त सभी फसलों का संबंधित बीज निगम में विधिवत पंजीयन कराया गया है। बीज उत्पादन कार्यक्रम की प्रगति एवं गुणवत्ता का आकलन करने हेतु दिनांक 10 जनवरी 2026 को उप संचालक कृषि, जिला बेमेतरा श्री मोरध्वज डडसेना द्वारा मैदानी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित कृषि अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान उप संचालक कृषि द्वारा खेतों में ली गई फसलों की स्थिति का विस्तार से अवलोकन किया गया। कृषकों द्वारा बीज उत्पादन हेतु ली गई फसलें सामान्यत: अच्छी, स्वस्थ एवं संतोषजनक अवस्था में पाई गईं।

तानाशाही पर उतरी भाजपा सरकार! बालेश्वर साहू की गिरतारी के विरोध में कांग्रेस का सड़क पर विस्फोट

बिर्रा (समय दर्शन)। जैजैपुर विधायक एवं जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्री बालेश्वर साहू की गिरफ्तारी के विरोध में आज जैजैपुर की सड़कों पर कांग्रेस का आक्रोश फूट पड़ा। भाजपा सरकार की दमनकारी, तानाशाही और बदले की राजनीति के खिलाफकांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बिरी चौक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पुतला दहन कर यह साफसंदेश दे दिया कि अब चुप नहीं बैठेंगे, संघर्ष सड़क से सदन तक जाएगा।कांग्रेस नेताओं ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि विपक्ष की आवाज दबाने के लिए पुलिस और प्रशासन को राजनीतिक हथियार बना लिया गया है। जनता के हक़ की बात उठाने वाले जनप्रतिनिधियों को झूठे और मनगढ़ंत मामलों में फंसाकर जेल भेजा जा रहा है, ताकि सरकार अपनी नाकामियों—महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की बदहाली और बिगड़ती कानून-व्यवस्था—से ध्यान भटका सके।प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने तानाशाही नहीं चलेगी, जनता की आवाज़ को कैद नहीं कर पाओगे, बालेश्वर साहू को तुरंत रिहा करो जैसे गगनभेदी नारे लगाए। कांग्रेस ने दो टूक चेतावनी दी कि यदि भाजपा सरकार ने राजनीतिक बदले की कार्रवाई बंद नहीं की और बालेश्वर साहू को तत्काल रिहा नहीं किया, तो यह आंदोलन जिला स्तर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रदेशव्यापी जनआंदोलन में तब्दील होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी भाजपा सरकार और प्रशासन की होगी।इस विरोध प्रदर्शन में विधायक प्रतिनिधि विशाल सिसोदिया, कमलेश कश्यप, संतन महंत, विधानसभा अध्यक्ष रज्जाक खान, उपाध्यक्ष विनोद खुटे, कृष्णा साहू, मनोज चंद्रा, चंद्रभाष ठाकुर, आजम खान, प्रदीप पटेल, लक्ष्मी चौहान, सुनील चंद्रा, पितांबर कश्यप, भूपेन्द्र साहू, संजू साहू, चिरंजीव साहू, यशोदा लाल, आशीष खुटे, शिव साहू सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुलोचनी कोसरिया महिला मजदूर कांग्रेस के पुनः अध्यक्ष बनाये गये

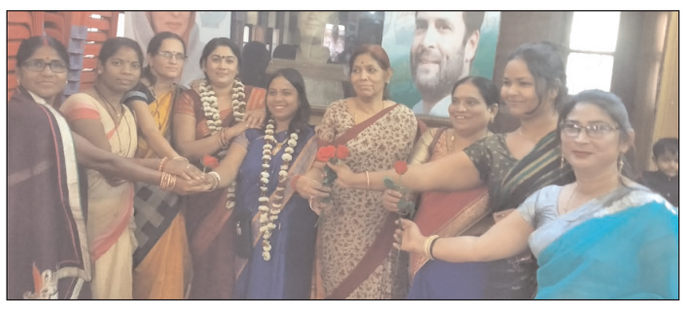

सांकरा (समय दर्शन)। प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष फूलों देवी नेताम द्वारा महिला कांग्रेस मजदूर प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कार्तिक सिंहभवाल भूवाल के अनुशंसा पर श्रीमती सुलोचनी देवी कोसरिया को जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस मजदूर प्रकोष्ठ महासमुंद के पद पर पुनः विश्वास जताते अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

जिससे श्रीमती सुलोचनी देवी कोसरिया द्वारा प्रदेश अध्यक्ष महिला कांग्रेस मजदूर प्रकोष्ठ के प्रति आभार प्रकट करते संगठन के कार्य में गति लाने,ग्रामीण अंचलों में वंचित वर्गों के लिए कार्य करते हुए ,उनकी आवाज हाई कमान तक पहुंचाने की बात कही ।

श्रीमती सुलोचनी देवी कोसरिया के जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्ति से जिला महिला कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पिथौरा ने शुभकामनाएं प्रेषित करते बधाई दिया है।

बधाई शुभकामनाएं प्रेषित करने वाले में अनंत वर्मा पूर्व अध्यक्ष, अजय नन्द पूर्व विधायक प्रतिनिधि, राजा कोसरिया, मंगलू बीसी, राजेश बिसाल, चमेली रात्रे, श्रीमतीअनीता गुरुपंच,श्रीमती जानकी रातरे, गीता रतन बंजारे पूर्व सभापति जिला पंचायत, सुमन तरुवर कोसरिया, अनीता कोसारिया, रंजना कोसरिया, सिमरन, प्रिया हेमन्त कोसरिया, धरमसिंह बर्मन, रामप्यारे मधुकर, सहदेव ग्रीतलहरे, राजेन्द्र मार्कण्डेय महेंद्र सिंह,महिला प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती मंजू जांगड़े, रूपई बसंत, ने शुभकामनाएं प्रेषित किया है।

संकुल स्रोत केंद्र बड़ेटेमरी के सेवानिवृत्त व्याख्याता डॉ शरद कुमार प्रधान को दी गई विदाई

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के संकुल केन्द्र बड़ेटेमरी में शासकीय हाई स्कूल बड़ेटेमरी के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ शरद कुमार प्रधान को संकुल परिवार की तरफ से विदाई दी गई।

उनके विदाई समारोह में सर्वप्रथम मां सरस्वती की चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ शरद कुमार प्रधान को संकुल के सभी शिक्षकों द्वारा गुलाल लगाकर,पुष्पहार व पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। इसके बाद विदाई समारोह को पीरित पटेल (प्रधान पाठक , पूर्व माध्यमिक शाला हबेकांटा)ने डॉ शरद कुमार प्रधान के साथ बिताए लम्हों को याद करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना किए। संकुल नोडल प्राचार्य बेहरा सर ने सेवानिवृत हो रहे प्रधान सर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किए। तत्पश्चात संकुल के व्याख्याता कौशिक सामल,पुरुषोत्तम साहू और ललित भार (प्रधान पाठक खवासपाली) ने भी विदाई समारोह को संबोधित किया। विदाई समारोह में उपस्थित सभी की आखें नम हो गई। इसके बाद सेवानिवृत हो रहे वरिष्ठ व्याख्याता डॉ शरद कुमार प्रधान ने अपने शिक्षकीय जीवन के अनुभव को साझा किए।तत्पश्चात संकुल समन्वयक वारिश कुमार ने प्रधान सर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अभिनंदन पत्र का वाचन किया। तत्पश्चात संकुल नोडल प्राचार्य बेहरा सर और संकुल समन्वयक वारिश कुमार द्वारा प्रधान सर को शाल और श्रीफल, अभिनंदन पत्र, शैक्षणिक सेवा कार्यकाल पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। संकुल के तरफसे सभी शिक्षकों द्वारा उपहार भेंट किया गया। मंच का संचालन पुरुषोत्तम साहू(वरिष्ठ व्याख्याता, शासकीय हाई स्कूल बड़ेटेमरी) द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन संकुल समन्वयक वारिश कुमार ने किया। इसके बाद संकुल के सभी शिक्षक - शिक्षिकाओं ने डॉ शरद कुमार प्रधान को छोड़ने उनके निवास स्थान ग्राम - पलसापाली (अ) गए।

इस मौके पर संकुल बड़ेटेमरी के समस्त शिक्षक - शिक्षिकाए, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं हाई स्कूल के छात्र - छात्राएं, समिति सदस्य और बड़ी संख्या मे ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

उक्त जानकारी संकुल समन्वयक वारिश कुमार ने दी है।

तालाबों की सफाई पर नगर निगम सख्त, पॉन्ड क्लीनर मशीन से चलाया जा रहा विशेष अभियान

दुर्ग (समय दर्शन)। शहर के तालाबों को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाए रखने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन तालाबों की साफ-सफाई को लेकर पूरी तरह गंभीर नजर आ रहा है और इसके लिए आधुनिक पॉन्ड क्लीनर मशीन का उपयोग कर व्यापक स्तर पर सफाई कराई जा रही है।इसी क्रम में नगर निगम सीमा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 39 में स्थित डिपरापारा तालाब,हरना बांधा ओर पोटिया तालाब सहित शहर के अन्य तालाबों में मशीन के माध्यम से जलकुंभी, गाद एवं कचरा हटाने का कार्य किया जा रहा है। शहर के बीचों-बीच स्थित एवं घनी आबादी वाले क्षेत्रों के तालाबों के साथ-साथ बाहरी क्षेत्रों के तालाबों में भी सफाई अभियान तेज कर दिया गया है। निगम प्रशासन द्वारा तालाबों के आसपास फैले अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई भी लगातार की जा रही है।

खबर-खास

सरस्वती ज्ञान मंदिर हाईस्कूल में प्रायोगिक परीक्षाएं संपन्न

साजा (समय दर्शन)। सरस्वती ज्ञान मंदिर हाईस्कूल देवरबीजा में कक्षा दसवीं की प्रायोगिक परीक्षा आयोजित हुई। प्रायोगिक परीक्षा बाह्य निरीक्षक व्याख्याता माया देवी शासकीय हाई स्कूल उफरा से पहुंची । बाह्य निरीक्षक ने दसवीं के बच्चों से प्रश्न पूछकर उनकी तैयारियों के बारे में जानकारी ली। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित होने वाली आगामी मुख्य परीक्षा में प्रश्नों के उत्तर को किस तरह लिखें और समझें, इन सभी के संदर्भ में जानकारी दी गई। मुख्य परीक्षा में शामिल होने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं की। इस मौके पर संस्था के प्राचार्य पुष्पराज सेन, विषय शिक्षिका व दसवीं के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आपसी एकजुटता, निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता को बढ़ावा देने हुई अहम बैठके

साजा (समय दर्शन)। श्रमजीवी पत्रकार संघ साजा इकाई की बैठक की स्थानीय विश्राम गृह में आयोजित की गयी। बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा के पश्चात श्रमजीवी पत्रकार संघ साजा का गठन किया गया जिसमें बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्व सहमति से पत्रकार प्रवीण शर्मा अध्यक्ष चुने गए वहीं डेनिस यादव को सचिव बनाया गया। बैठक के दौरान सभी पत्रकारों ने आपसी एकजुटता बनाए रखने, निष्पक्ष एवं निर्भीक पत्रकारिता को बढ़ावा देने तथा समाजहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संघ के संरक्षक लक्ष्मी नारायण चांडक एवं पूर्व अध्यक्ष कृष्णा राठी ने नये पदाधिकारी को बधाई देते हुए कहा कि पत्रकार समाज की आवाज होते हैं । संगठन की मजबूती से ही पत्रकारों के अधिकार सुरक्षित रह सकते हैं । बैठक में वरिष्ठ पत्रकार संदीप राजपूत, जीवन राम साहू, राजू शर्मा, संतोष शर्मा, कमलाकांत मिश्रा, सोनू श्रीवास, विक्की जायसवाल, भास्कर गुप्ता, निजामुद्दीन कुरैशी उपस्थित रहे।

ठेठवार समाज के प्रतिनिधि मंडल को वित्तमंत्री चौधरी ने अधिवेशन में आने दिया आश्वासन

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग राज ठेठवार (यादव) समाज के प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को वितमंत्री छग.शासन श्री ओ पी चौधरी जी से उनके निवास शंकर नगर रायपुर में मुलाकात की प्रतिनिधि मंडल में शामिल दुर्ग राज ठेठवार (यादव) समाज के अध्यक्ष राजकुमार यादव , छत्तीसगढ़ी लोक गायक खुमान सिंग यादव,सियान गणेश यादव , जनपद सदस्य एवं सभापति दुर्ग गोपाल यादव ,ग्राम चंदखुरी के क्षेत्रीय सामाजिक पंच कृष्णा यादव ने मंत्री श्री चौधरी को दुर्ग राज ठेठवार समाज के द्वारा आयोजित वार्षिक अधिवेशन दिनांक 8 फ़रवरी में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किये । वित्तमंत्री श्री ओ .पी. चौधरी ने ठेठवार समाज के आमंत्रण को सहर्ष स्वीकर करते हुए वार्षिक अधिवेशन में आने की बात कही इस मौके पर समाज के लोगों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनका शाल भेंटकर सम्मान भी किया यादव राज अध्यक्ष राजकुमार यादव ने समाज के लोगों से अधिवेशन में अधिकाधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने अपील की है।

जैजैपुर विधायक बालेश्वर साहू की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन

बिर्रा में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पुतला दहन, कांग्रेस ने कार्रवाई को बताया राजनीतिक बदले की भावना

बिर्रा/ जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जैजैपुर विधायक एवं जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्री बालेश्वर साहू की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश रविवार को सड़कों पर फूट पड़ा। कांग्रेस पार्टी के आह्वान पर बिर्रा में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पुतला दहन कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। यह कार्यक्रम 11 जनवरी 2026, रविवार को शाम 5 बजे आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

प्रदर्शन का नेतृत्व जांजगीर-चांपा विधायक प्रतिनिधि (खनिज विभाग) के नेता कमलेश कश्यप ने किया। प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार विपक्षी नेताओं को दबाने के लिए राजनीतिक द्वेष के तहत कार्रवाई कर रही है। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि जनहित और जनता की आवाज उठाने वाले नेताओं को डराने-धमकाने की यह कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कमलेश कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि, बालेश्वर साहू की गिरफ्तारी लोकतंत्र की हत्या है। यह सरकार जनप्रतिनिधियों की आवाज को कुचलना चाहती है, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क से सदन तक संघर्ष करेंगे। कार्यक्रम के दौरान भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और चेतावनी दी गई कि यदि विधायक बालेश्वर साहू को शीघ्र रिहा नहीं किया गया, तो कांग्रेस आंदोलन को और तेज करेगी।

पुतला दहन को देखते हुए मौके पर पुलिस प्रशासन मौजूद रहा और स्थिति पर नजर बनाए रखी गई। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, हालांकि माहौल पूरी तरह राजनीतिक गर्मी से भरा रहा।

एसडीएम मैनपुर को कारण बताओ नोटिस, प्रशासनिक व्यवस्था में अस्थायी परिवर्तन

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर जिला गरियाबंद बी.एस.उईके द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मैनपुर तुलसीदास मरकाम के विरुद्ध शासकीय कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर उदासीनता एवं प्रशासनिक अनुशासन के उल्लंघन के संबंध में कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। तहसील देवभोग अंतर्गत ग्राम उरमाल स्थित शासकीय भूमि पर बिना विधिसम्मत अनुमति के नृत्य,नाटक एवं संगीत से संबंधित कार्यक्रमों का सतत आयोजन किया गया।उक्त अवधि में संबंधित अनुविभागीय अधिकारी द्वारा न तो प्रभावी पर्यवेक्षण किया गया और न ही विधिसम्मत नियंत्रणात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की गई, जबकि वे कार्यपालिक दंडाधिकारी के दायित्वों से भी आबद्ध हैं।

कलेक्टर द्वारा यह प्रतिपादित किया गया है कि उक्त घटनाक्रम से प्रशासनिक मर्यादा,लोक व्यवस्था तथा शासकीय प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है,जो छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के प्रावधानों के प्रतिकूल है। इस संदर्भ में संबंधित अधिकारी को 24 घंटे की समय-सीमा में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में संतोषजनक उत्तर प्राप्त न होने की स्थिति में अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।इसी क्रम में कलेक्टर श्री उईके द्वारा तहसीलदार अमलीपदर एवं थाना प्रभारी देवभोग को भी संयुक्त जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।आदेशानुसार 5 से 9 जनवरी 2026 के बीच अमलीपदर क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद संज्ञान लेते हुए जांच के निर्देश जारी किए गए। संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय से जांच कर 24 घंटे के भीतर प्रतिवेदन कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत करने को कहा गया है। प्रशासनिक हित एवं कार्यव्यवस्था की सुचारुता को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर द्वारा तुलसीदास मरकाम को आगामी आदेश तक जिला कार्यालय गरियाबंद में संलग्न किया गया है।

छत्तीसगढ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन विकासखंड पाटन का पुनर्गठन

भानु प्रताप साहू

बालोद (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक पी-एम -शाला अखरा में पाटन विकासखंड क्षेत्र के छत्तीसगढ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन का पुंनर्गठन किया गया।

उक्त कार्यक्रम में मुंख्य अतिथि छ0ग0प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी, विशिष्ट अतिथी द्वय उप प्रांताध्यक्ष चंद्रशेखर चंद्राकर, प्रांतीय कोषाध्यक्ष राजेश चंद्राकर, विशेष अतिथि द्वय भानु प्रताप यादव जिलाध्यक्ष छत्तीसगढ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संध एवं मीडिया प्रभारी कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन-दुर्ग, महेन्द्र कुमार साहू प्रांताध्यक्ष छ0ग0पंचायत सचिव संध एवं अन्य विशेष अतिथि के रूप में के0के0बंछौर संरक्षक छ0ग0प्रदेश शिक्षक फेडरेशन, विकास खंड अध्यक्ष पवन कामड़े, महेन्द्र वर्मा जिला सचिव एवं मोरध्यज वर्मा प्राचार्य शासकीय उ00मा0विघालय भिलाई-3 पावन उपस्थिति में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता गोपेन्द्र कुमार साहू प्रधान पाठक शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला अखरा के द्वारा किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन छ0ग0प्रदेश शिक्षक फेडरेशन दुर्ग संभाग महामंत्री चंचल कुंमार द्विवेदी के द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम मां शारदा पूजन से प्रारंभ हुआ इसके पश्चात् सर्व सम्मति से छ0ग0प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के विकासखंड स्तरीय पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। जिसमें प्रदीप कुमार वर्मा शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला खम्हरीया को अध्यक्ष नियुक्ति किया गया, उपाध्यक्ष द्वय खिलेन्द्र कुमार साहू शिक्षक निपानी,हरीशंकर देवांगन शिक्षक भनसुली कोषाध्यक्ष, शेष नारायण साहू शिक्षक पंदर सह कोषाध्यक्ष, गौतम साहू शिक्षक कुर्मीगुडरा सचिव, सुशील कुमार परसदा सह सचिव, द्वय सुश्री करूणा पटेल शिक्षिका चुलगहन, दरबारसिंग साहू शिक्षक मीडिया प्रभारी सलाहकार पत्राचार, लक्ष्मीकांत तिवारी शिक्षक भनसुली संगठन प्रभारी, पूर्णेश्वर यादव गब्दी,ममता साहू शिक्षिका सिपकोन्हा एवं प्रवक्ता द्वय रोहित अहिर शिक्षक मर्रा, तोरण कुमार साहू नियुक्त किये गये, चंचल कुमार द्विवेदी कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेसन जिला दुर्ग के लिये मनोनित किया गया।

उक्त कार्यक्रम में पाटन विकासखंड के शिक्षक फेडरेशन के सभी सदस्य गण उपस्थित रहें।

उपस्थित मुख्य अतिथियों के द्वारा संगठन शक्ति को मजबूत करने हेतु उद्बोधन के माध्यम से नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को मार्गदर्शन एवं अपने अधिकारों के प्राप्ति के लिये सतत् रूप निष्ठापूर्वक कार्य करने प्रेरित किया गया।

अंत में प्रदेश शिक्षक फेडरेशन विकासखंड पाटन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रदीप कुमार वर्मा द्वारा आभार प्रदर्शन कर कार्यक्रम का समापन किया गया। उक्त जानकारी कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के मीडिया प्रभारी भानु प्रताप यादव द्वारा दिया गया।

रेडक्रास के बच्चों को सड़क सुरक्षा नियमों की दी जानकारी

भानु प्रताप साहू

बालोद (समय दर्शन)। प्रथम राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी शिविर दुधली मालीघोरी कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आएं रेडक्रास के बच्चों को श्री संजय शर्मा अध्यक्ष अर्तविभागीय लीड़ एजेंसी सड़क सुरक्षा/सहायक पुलिस महानिरीक्षक यातायात पु.मु. नवा रायपुर के द्वारा दिया गया सड़क सुरक्षा नियमों संबंधी जानकारी

जंबूरी शिविर में बालोद पुलिस द्वारा लगाएं गए सड़क सुरक्षा स्टॉल कासंजय शर्मा द्वारा किया गया निरीक्षण

पुलिस अधीक्षक बालोद श्रीमान् योगेश कुमार पटेल के निर्देशन पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका ठाकुर के मार्गदर्शन में, श्री बोनीफॉस एक्का उप पुलिस अधीक्षक (मुख्या.) बालोद एवं यातायात प्रभारी निरीक्षक श्री रविशंकर पाण्डेय के नेतृत्व में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भारत शासन द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार जिले में ''राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह'' (दिनांक 01.01.2026 से 31.01.2026 तक) यातायात सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है।

प्रथम राष्ट्रीय रोवर रेंजर जंबूरी शिविर दुधली मालीघोरी कार्यक्रम में श्री संजय शर्मा अध्यक्ष अर्तविभागीय लीड़ एजेंसी सड़क सुरक्षा/सहायक पुलिस महानिरीक्षक यातायात पु.मु. नवा रायपुर के द्वारा विभिन्न राज्यों से आएं रेडक्रास के बच्चों को सड़क सुरक्षा नियमों जैसे सड़क में चलते समय बड़ी वाहनों से होने वाले संभावित खतरों, बड़ी वाहनों के ब्लांइड स्पॉट के बारे में बताएं गया, भीड़ कंट्रोल करने के लिए उपायो से अवगत कराया गया एवं दो वाहनों के बीच में कितना गैप रखे, वाहनों के स्पीड़ कम करने के लिए प्रभावी उपायो के बारे सरल सहज उपायों के बारे में बताया गया।

संजय शर्मा द्वारा बालोद पुलिस द्वारा लगाएं गए स्टॉल का निरीक्षण किया गया एवं ''सेफ्टी विथ हेलमेट'' की थीम पर बनाएं गए सेल्फी पाइंट में सेल्फी लेकर लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। रोवर रेंजर जंबुरी शिविर स्थल में बालोद पुलिस द्वारा यातायात नियमों, साइबर अपराधों, महिला एवं बच्चों से होने वाले अपराधों एवं नवीन कानून संबंधी स्टॉल लगाकर विस्तृत जानकारी दिया जा रहा है। स्टॉल में आने वाले रेडक्रॉस के बच्चों एवं आगंतुकों को यातायात नियमों संबंधी पाम्पलेट का वितरण कर सड़क सुरक्षा संबंधी उपकरणों की प्रदर्शनी लगायी गयी है। साथ ही प्रोजेक्टर/टीवी के माध्यम से यातायात संबंधी वीडियों क्लिप को प्रसारित किया जाकर लोगों को सड़क सुरक्षा नियमों का स्वंय पालन करने साथ ही अपने प्रियजनों एवं अन्य व्यक्तियों को भी यातायात नियमों के पालन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

मोदी सरकार ने छीना श्रमिको का अधिकार- डहरिया

सारँगढ़ - टारजन महेश (समय दर्शन)। सारँगढ़ बिलाईगढ़ जिला कांग्रेस कार्यलय में पत्रकार वार्ता आयोजित किया गया जिसमे पूर्व मंत्री शिव कुमार डहरिया भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर बरसे ,भाजपा सरकार गरीब मजदूर श्रमिक का अधिकार लूटने का कार्य कर रही है मनरेगा कानून में परिवर्तन मोदी सरकार का श्रमिक विरोधी कदम है। यह महात्मा गांधी के आदर्शों पर कुठाराघात है, मजदूरों के अधिकारों को सीमित करने वाला निर्णय है।

मोदी सरकार ने 'सुधार' के नाम पर झांसा देकर लोकसभा में एक और बिल पास करके दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी स्कीम मनरेगा को खत्म कर दिया है। यह महात्मा गांधी की सोच को खत्म करने और सबसे गरीब भारतीयों से काम का अधिकार छीनने की जान-बूझकर की गई कोशिश है।

अब तक, मनरेगा संविधान के आर्टिकल 21 से मिलने वाली अधिकारों पर आधारित गारंटी थी। नया फ्रेमवर्क ने इसे एक कंडीशनल, केंद्र द्वारा कंट्रोल की जाने वाली स्कीम में बदल दिया है। मनरेगा गांधीजी के ग्राम स्वराज, काम की गरिमा और डिसेंट्रलाइज्ड डेवलपमेंट के सपने का जीता-जागता उदाहरण था, लेकिन इस सरकार ने न सिर्फ उनका नाम हटा दिया है, बल्कि 12 करोड़ मनरेगा मजदूरों के अधिकारों को भी बेरहमी से कुचला है। दो दशकों से, मनरेगा करोड़ों ग्रामीण परिवारों के लिए लाइफलाइन रहा है और कोविड-19 महामारी के दौरान आर्थिक सुरक्षा के तौर पर ज़रूरी साबित हुआ है।

अब तक मनरेगा मजदूरों को काम देने का कानून था, श्रमिक अधिकार पूर्वक मांग करते थे, जिसे योजना में परिवर्तित कर दिया गया, मनरेगा के तहत, सरकारी ऑर्डर से कभी काम नहीं रोका गया। नया सिस्टम हर साल तय टाइम के लिए जबरदस्ती रोजगार बंद करने की इजाजत देता है, जिससे राज्य यह तय कर सकता है कि गरीब कब कमा सकते हैं और कब उन्हें भूखा रहना होगा। एक बार फंड खत्म हो जाने पर, या फसल के मौसम में, मज़दूरों को महीनों तक रोज़गार से दूर रखा जा सकता है।

मनरेगा केंद्रीय कानून था, 90 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार द्वारा भेजे जाते थे, अब केंद्र और राज्य का हिस्सा 60-40 का हो जाएगा, पहले मैचिंग ग्रांट 50 प्रतिशत राशि राज्य जमा करेगी तब केंद्र सरकार राशि जारी करेगा, राज्यों की वित्तीय स्थिति सर्वविदित है। इस बिल से आने वाले समय में मनरेगा स्कीम खत्म हो जाएगी। जैसे ही बजट का बोझ राज्य सरकारों पर पड़ेगा, वैसे ही धीरे-धीरे मनरेगा बंद होने लगेगी।

मोदी सरकार अब राज्यों पर जी राम जी का लगभग 50,000 करोड़ का बोझ डालना चाहती है, उन्हें 40 प्रतिशत खर्च उठाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। मनरेगा योजना देश के गरीब से गरीब लोगों के लिए रोजगार का सहारा थी, जो कोरोना जैसे मुश्किल हालातों में भी उनके साथ थी।

तरुण-फलक की जोड़ी ने अंडर 17 तीरंदाजी में जीता गोल्ड

बालोद (समय दर्शन)। 69 नेशनल स्कूल गेम(एसजीएफआई) तीरंदाजी प्रतियोगिता जो कि रांची झारखंड में संपन्न हुआ जिसमें अंडर 17 रिकर्व राउंड मिक्स टीम छत्तीसगढ़ की ओर से खेलते हुए फ्लक यादव और तरुण जांगड़े की जोड़ी ने गोल्ड मेडल प्राप्त कर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया। ज्ञात है की फ्लक यादव बालोद शिकारी पारा निवासी शशि यादव की पुत्री है जो लगातार इस तीरंदाजी प्रतियोगिता में अपना परचम लहरा रही है इस प्रतिभा से जहाँ पूरा जिला गौरान्वित है वही माता पिता के साथ गुरुकुल स्कूल प्रबंधन व विधार्थीयो ने उज्जवल भविष्य की कामना के साथ फ्लक को बधाई दी । फ्लक यादव वर्तमान में टाटा ऐकैडमी झारखंड में अभ्यासरत है, और गुरुकुल विद्यापीठ बालोद नवी कक्षा में अध्यनरत है, इस उपलब्धि पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका भारतीय तीरंदाजी संघ और कोच जिला बालोद कुशल रजक द्वारा बधाई दिया गया।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण सूचित किया जाता है कि मैं गंगाराम राजपुत पिता श्री गनपत राजपुत, निवासी ग्राम कान्हरपुर, तहसील- पथरिया, जिला मुंगेली (छ.ग) का निवासी हूँ । पूर्व में मेरे पुत्र के आधार कार्ड नं. 6599 0294 1092 में नाम गनेशराम दर्ज है, जो कि गलत है, जबकि मेरे पुत्र के समस्त शैक्षणिक प्रमाण पत्रों एवं जन्म प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेजों में अभय राजपुत दर्ज है, जो कि सत्य एवं सही है । मैं अपने पुत्र का नाम परिवर्तित कर नया नाम अभय राजपुत करवाना चाहता हूं।

अत: अब से मेरे पुत्र को अभय राजपुत, पिता - श्री गंगाराम राजपुत, माता - श्रीमती कचरा बाई के नाम से जाना, पहचाना, पुकारा एवं दर्ज किया जावे।

जो मेरे पुत्र के समस्त शासकीय, अर्धशासकीय, अभिलेखों, दस्तावेजों, में वास्तविक नाम दर्ज कराने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष शपथ पत्र प्रस्तुत कर दिया हूँ ।

गंगाराम राजपुत

मनरेगा नाम परिवर्तन को लेकर कांग्रेस का धरना

जब तक नाम परिवर्तन नहीं तब तक विरोध जारी

गरियाबंद (समय दर्शन)। मोदी सरकार पर मनरेगा की मूल आत्मा खत्म करने और ग्रामीण मजदूरों से काम का अधिकार छीनने के खिलाफप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के निर्देश में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा स्थानीय गांधी मैदान में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन दिया गया।

धरना प्रदर्शन में उपस्थित बिन्द्रानवागढ़ के विधायक जनक ध्रुव ने कहा कि सुधार के नाम पर मनरेगा को अधिकार आधारित कानून से हटाकर केंद्र-नियंत्रित,शर्तों वाली योजना में बदल दिया गया है।लोकसभा में पारित नए बिल के जरिए दुनिया की सबसे बड़ी रोजगार गारंटी योजना मनरेगा को कमजोर किया गया है,जो ग्रामीण निवासियों के रोजीरोटी का आधार है,अब तक यह योजना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत काम के अधिकार की गारंटी देती थी,लेकिन नया ढांचा इसे सरकार की मर्जी पर निर्भर बना रहा है। उन्होंने इसे महात्मा गांधी

के ग्राम स्वराज, काम की गरिमा और विकेंद्रीकरण पर सीधा हमला बताया।वही जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मनरेगा से देश के करीब 12 करोड़ मजदूर जुड़े हैं और बीते दो दशकों से यह ग्रामीण गरीबों के लिए जीवनरेखा रही है। कोविड-19 जैसे संकट में भी इसी योजना ने करोड़ों परिवारों को आर्थिक सुरक्षा दी।लेकिन अब मजदूरों से कानूनी रूप से काम मांगने का अधिकार छीना जा रहा है और मनरेगा को महज एक प्रशासनिक सहायता योजना में बदला जा रहा है, जिसे सरकार जब चाहे चलाए,जब चाहे बंद करे।

वही कांग्रेस के वरिष्ट कार्यकर्ता युगल पाण्डे ने केंद्रङ्कराज्य वित्तीय हिस्सेदारी में बदलाव पर भी कड़ा ऐतराज जताया।उन्होंने कहा कि पहले 90 प्रतिशत राशि केंद्र देता था,अब इसे 60:40 कर दिया गया है।इतना ही नहीं,अब राज्य को पहले 50 प्रतिशत राशि जमा करनी होगी, तभी केंद्र से फंड मिलेगा— जबकि राज्यों की वित्तीय हालत पहले से ही कमजोर है।उन्होंने चेतावनी दी कि इससे मनरेगा को धीरे-धीरे समाप्त करने की साजिश साफदिखती है।केंद्र सरकार राज्यों पर करीब 50 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ डालना चाहती है। 100 से 125 दिन रोजगार देने के दावों को उन्होंने झूठा और छलावा बताया।साथ ही कांग्रेस सदस्यों ने बताया कि केंद्र शासन द्वारा नाम बदलाव के निर्णय को वापस नहीं लेगी तब तक कांग्रेस इस निर्णय का विरोध करती रहेगी।इस धरना प्रदर्शन के दौरान पूर्व संसदीय सचिव एवं सह प्रभारी सेवनलाल चंद्राकर,बिंद्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव,कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा,वरिष्ठ कांग्रेस नेता युगल किशोर पांडे,ब्लॉक अध्यक्ष हफीज खान,कांग्रेस महिला जिला अध्यक्ष मंजू ध्रुव श्रद्धा ठाकुर,ममता फुलझेले,ओमकार ठाकुर, महेंद्र ठाकुर,भूपेंद्र मांझी,रामकृष्ण ध्रुव,बालमुकुंद मिश्रा, छगन यादव,अनिल,पवन सोनकर,कमल यदु एवं अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नगर पालिका की लापरवाही से सरकारी पंप हाउस पर कब्जा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष हाफिज खान का विरोध

गरियाबंद (समय दर्शन)। हाई स्कूल रोड गरियाबंद स्थित नगर पालिका का पंप हाउस लंबे समय से बंद पड़ा हुआ है। इस दौरान सार्वजनिक संपत्ति पर अवैध कब्जा किए जाने का मामला सामने आया है, जिससे नगर में आक्रोश का माहौल है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर पालिका की निगरानी के अभाव में एक व्यक्ति द्वारा पंप हाउस पर कब्जा कर उसे निजी उपयोग में लेना शुरू कर दिया है। यह पंप हाउस कभी क्षेत्र की जलापूर्ति व्यवस्था का अहम हिस्सा था, लेकिन अब बदहाली और अवैध कब्जे का शिकार हो चुका है।

मामले को लेकर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष हाफिज खान ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है।उन्होंने कहा कि सार्वजनिक संपत्तियों पर कब्जा होना नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल है।

श्रीमती अमरीका देशलहरे ने 39 साल निष्ठा व अनुशासन के साथ कार्य किया है -भुवनेश्वर कठौतिया

आयुष्मान आरोग्य मंदिर सेलुद में विदाई समारोह का आयोजन किया गया

सेलुद (समय दर्शन)। आयुष्मान आरोग्य मंदिर सेलुद में विदाई समारोह का आयोजन किया गया ।सर्वप्रथम कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ महतारी व माँ सरस्वती के तैलचित्र पर पुजा अर्चना के साथ हुआ ।स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग पाटन सेक्टर सेलूद में कार्यरत अमरीका देशलहरे पर्यवेक्षक के पद से सेवानिवृत्त होने , सैय्यद रिजवान अहमद का अन्यत्र स्थानांतरण होने व श्रीमती गीता रामटेके का पर्यवेक्षक पद पर पदोन्नति होने पर तथा सेलुद सेक्टर में आने वाली नये कर्मचारी जिनका स्वागत किया गया यामिनी मारकंडे ,राधिका देवांगन, ममता चंद्राकर शामिल थी।

खण्ड चिकित्सा अधिकारी पाटन डॉ भुवनेश्वर कठौतिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नौकरी प्रारम्भ करते समय सबसे पहले मुझे भी सेलुद सेक्टर का अधिकारी बनाया गया था ,इसके पहले कभी मैंने बड़े अधिकारी के रुप में काम नहीं किया था इसलिए बड़े सेक्टर होने से थोड़ा झिझक तो हुआ लेकिन सेलुद सेक्टर काम के मामले में बहुत अच्छा मिला ।आज उसी टीम से एक सदस्य सेवानिवृत्त हो गई ।अपने लगन से उन्होंने 39 साल की निष्ठा के साथ सेवा दिया ।कोई भी कर्मचारी के अंदर लगन और अनुशासन होना चाहिए ।देशलहरे सिस्टर बहुत अनुशासित थी अपने काम में बहुत पारंगत थी ।व्यक्ति चाहे किसी भी क्षेत्र में रहे अनुशासन मे रहने से बड़े से बड़े कार्य को आसानी से कर सकते है । टीम वर्क से ही बड़े बड़े से कार्य को आसानी से हो जाता है जैसे मनुष्य का जीवन और मरण सत्य है उसी प्रकार कर्मचारी का नौकरी लगना और सेवानिवृत्त होना एक कटु सत्य है ।इसे हम चाहकर भी टाल नहीं सकते है ।आज उसी कड़ी में अमरीका देशलहरे सिस्टर ने अपने कर्तव्यनिष्ठ के साथ 39 साल सिर्फ सेलूद सेक्टर में सेवा कार्य कर सेवानिवृत्त हो रही है ।

सैयद रिजवान व गीता रामटेके का कार्य भी बहुत अच्छा रहा है। वही मैं आशा करता हूं कि श्रीमती राधिका देवाँगन और यामिनी मारकंडे व ममता चंद्राकर तीनो हमारे परिवार का हिस्सा बनकर लगन और अनुशासन के साथ काम करेंगी उन्होंने आगे कहा कि सेलुद सेक्टर के कर्मचारी कुछ अजब मिट्टी के बने है और पुरे ब्लाक में सबसे अच्छा ऊर्जा व उत्साह के साथ कार्य करते है। सेक्टर अधिकारी वंदना शर्मा ,नेत्र सहायक अधिकारी योगैया बंडी ने भी सभा को संबोधित किया ।मनोरमा बंछोर ने बहुत अच्छा विदाई गीत प्रस्तुत किया ।सेवानिवृत्त पर नारियल ,शाल ,मोमेन्टो व उपहार भेंट कर सभी का सम्मान किया गया। उपस्थित अतिथियो का भी सम्मान किया गया ।कार्यक्रम का संचालन खेलेन्द्र कुर्रे व आभार प्रदर्शन बसंत साहु ने किया।

क्रिप्टो के नाम पर 'महाठगी'

6 प्रतिशत ब्याज का दाना डालकर फंसाई 3 करोड़ की मछली, अब सलाखों के पीछे 'शातिर' हार्दिक

भिलाई (समय दर्शन)। अगर कोई आपसे कहे कि वह हर महीने आपके निवेश पर 6 फीसदी का मुनाफा देगा, तो सावधान हो जाइए।

भिलाई के सुपेला इलाके में एक ऐसा ही 'बंटी' पकड़ा गया है जिसने निवेश के नाम पर शहर के 76 लोगों को चूना लगा दिया। आरोपी ने न केवल करोड़ों रुपए डकारे, बल्कि पकड़े जाने के डर से दफ्तर में ताला जड़कर फरार भी हो गया था। सुपेला पुलिस ने लंबी घेराबंदी के बाद आरोपी हार्दिक कुदेशिया को गिरफ्तार कर लिया है।

ऑफिस खोलकर बिछाया था जाल

आरोपी हार्दिक ने नेहरू नगर के अग्रसेन चौक के पास 'फायनेंस अप इन्वेस्टर एंड कंसल्टेंसी' नाम से एक चकाचौंध वाला दफ्तर खोला था। वह लोगों को यकीन दिलाने के लिए बाकायदा इकरारनामा (एग्रीमेंट) भी साइन करवाता था। लोगों को लगा कि सौदा पक्का है, इसलिए किसी ने 20 लाख तो किसी ने अपनी जमापूंजी हार्दिक के हवाले कर दी। आरोपी इतना शातिर था कि वह बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी और इंडसइंड जैसे बड़े बैंकों के खातों में पैसा लेता था ताकि किसी को शक न हो।

बाइनेंस ऐप से होता था खेल

पुलिसिया पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी हार्दिक लोगों से लिए गए भारतीय रुपयों को 'बाइनेंस ऐप' के जरिए डॉलर में बदलता था। इसके बाद वह क्रिप्टोकरेंसी में ट्रेडिंग करता। वह निवेशकों को झांसा देने के लिए शुरुआती 4-5 महीनों तक मुनाफे के नाम पर कुछ रकम लौटा देता था, लेकिन असली खेल मूलधन का था। वह लोगों का मूल पैसा अपने पास ही दबाकर रखता था। इस तरह उसने कुल 3 करोड़ 8 लाख से ज्यादा की रकम डकार ली।

आईफोन और नोट गिनने की मशीन बरामद

जब निवेशकों को ब्याज मिलना बंद हुआ और वे दफ्तर पहुंचे, तो वहां सन्नाटा पसरा था। शिकायत के बाद हरकत में आई सुपेला पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा। पुलिस ने उसके पास से एक चमचमाता आईफोन 16 प्रो, विक्टस लैपटॉप और सबसे चौंकाने वाली चीज— 'नोट गिनने की मशीन' बरामद की है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह किस पैमाने पर नकदी का लेन-देन कर रहा था।

इन धाराओं के तहत हुई कार्रवाई

सुपेला थाना प्रभारी विजय कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(2), 318(4) और 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या इस गिरोह में कुछ और लोग भी शामिल हैं। पुलिस ने अपील की है कि लुभावने वादों और अवैध निवेश स्कीमों से दूर रहें।

युवा प्रकोष्ठ चौहान समाज जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के जिला अध्यक्ष बने संजय चौहान

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। चौहान समाज के संगठनात्मक ढांचे को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए युवा प्रकोष्ठ चौहान समाज जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ का जिला अध्यक्ष संजय चौहान को नियुक्त किया गया है। और साथ ही गणेशी चौहान महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष , युवा प्रकोष्ठ संरक्षक महावीर चौहान ,पुष्प चौहान महिला प्रकोष्ठ सचिव जिला ,कार्य करणी जिला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ राजेंद्र चौहान किया गया हैं यह नियुक्ति समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों की सर्वसम्मति से की गई।

संजय चौहान को युवा प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर समाज के युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। संगठन के पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में युवा प्रकोष्ठ समाजहित में रचनात्मक कार्य करेगा और युवाओं को संगठित कर सामाजिक, शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को नई दिशा देगा। इस अवसर पर उपस्थित समाज के वरिष्ठ जनों ने कहा कि युवा वर्ग समाज की रीढ़ है और संजय चौहान जैसे ऊर्जावान व कर्मठ नेतृत्व से संगठन को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने बताया कि युवा प्रकोष्ठ के माध्यम से शिक्षा, नशामुक्ति, सामाजिक जागरूकता, रोजगार एवं संस्कार निर्माण जैसे विषयों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष संजय चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगे।

उन्होंने समाज के सभी युवाओं को साथ लेकर चलने, संगठन को मजबूत करने और समाज के विकास हेतु निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। संजय चौहान की नियुक्ति पर चौहान समाज के विभिन्न पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं युवाओं ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस नियुक्ति से चौहान समाज के युवा प्रकोष्ठ को नई ऊर्जा और दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

कलेक्टर बी.एस.उईके ने किया धान खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण, वजन में भिन्नता पर दो केंद्रों को नोटिस जारी

गरियाबंद (समय दर्शन)। प्रदेश में धान खरीदी कार्य व्यापक स्तर पर निरंतर जारी है ।किसानों द्वारा बड़ी मात्रा में धान की आवक को देखते हुए कलेक्टर बी.एस. उईके ने जिले के धान खरीदी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गरियाबंद जिला अंतर्गत सोहागपुर एवं बारूला स्थित धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री उईके ने केंद्रों में स्टैकिंग व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए। साथ ही बारदाना की उपलब्ध संख्या,स्टैकिंग में रखी बोरियों की संख्या का भौतिक सत्यापन कराया ।उन्होंने धान खरीदी की कुल मात्रा, विक्रय हेतु शेष किसानों की संख्या तथा अब तक किए गए कुल धान उठाव की विस्तृत जानकारी भी प्राप्त की।

बड़ेटेमरी में एफएलएन आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

पाँच दिवसीय प्रशिक्षण प्रतिवेदन

बसना (समय दर्शन)। स्थान-शासकीय हाई स्कूल बडेटेमरी स्त्रह्म(पढ़ना लिखना और गिनती)पर आधारित नए पाठ्यपुस्तक को सही ढंग से लागू करने के उद्देश्य से प्राथमिक शाला के शिक्षको का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शासकीय हाई स्कूल बडेटेमरी मे सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

इस प्रशिक्षण में निपुण भारत मिशन के तहत भाषा और गणित के मूल अवधारणा पर विशेष रूप से काम कराया गया ।भाषा शिक्षण के संदर्भ में भाषा के चार कौशल-सुनना,बोलना, पढ़ना और लिखना को केंद्र में रखकर गतिविधि आधारित प्रशिक्षण दिया गया ।सभी शिक्षक समूह में पाठ योजना बनाकर पाठ प्रस्तुतिकरण करते हुए एक दूसरे से सीखे ।प्रशिक्षण के दौरान खेल, कहानी,कविता, गीत,नाटक और स्थानीय परिवेश से जुड़े गतिविधि के माध्यम से पढ़ने लिखने के तरीके बताए गए ।स्त्रह्म के उद्देश्य बालक केन्द्रित शिक्षण, गतिविधि आधारित शिक्षण,सतत मूल्यांकन और कम संसाधन में प्रभावी शिक्षण कैसे किया जा सके ।इन सब पर विस्तार से मार्गदर्शन मिला ।विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी और विकास खण्ड स्रोत केंद्र समन्वयक बसना निरीक्षण केंद्र पर पहुंचे, अधिकारीगण प्रशिक्षण के महत्ता, अनुशासन और नियमित उपस्थिति पर जोर देते हुए जरूरी सुझाव दिए ।सभी शिक्षक प्रशिक्षण में मिले सिख को अपने अपने स्कूल में लागू करने का संकल्प लिए। प्रशिक्षण के पहले स्त्रह्म के पूर्व ज्ञान पर आधारित परीक्षा तथा प्रशिक्षण के अंतिम में परीक्षा लिया गया।

आयोजन(विशेष गतिविधि-मेला) :- प्रशिक्षण के दौरान शिक्षको द्वारा मेला का आयोजन भी किया गया।

इस मेले में खरीदी बिक्री, लोकनृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुति हुआ,जिससे पूरे प्रशिक्षण में खुशी का माहौल और अपनापन दिखाई दिया ।इस प्रशिक्षण से शिक्षकों में रचनात्मकता, सहभागिता, सामाजिक सिख और आत्मविश्वास का विकास हुआ और प्रशिक्षण यादगार बन गया।

इस पांच दिवसीय नवीन पाठ्य पुस्तक आधारित स्त्रह्म प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर की भूमिका बहुत सराहनीय और प्रेरणादायक रहा। मास्टर ट्रेनर वारिस कुमार ,गजेंद्र नायक और टुकेश्वर साहू बहुत सरल सहज और व्यवहारिक तरीके से प्रशिक्षण के हर विषय को समझाए। वे भाषा के चार कौशल-सुनना,बोलना,पढना और लिखना को नए किताब तक सीमित नहीं रखे,बल्कि खेल, कहनी, गीत,कविता और गतिविधि के माध्यम से शिक्षको को बताये की बच्चे कैसे आनंद से सीखते हैं। हर गतिविधि में बालक केंद्रित दृष्टिकोण साफ साफ दिखाई दिया ।मास्टर ट्रेनर प्रत्येक समूह को बराबर समय देते हुए मार्ग दर्शन दिये, शंका समाधान किये एवं शिक्षको को खुल के अपने विचार रखने हेतु प्रेरित किए। पाठ प्रस्तुतिकरण के बाद सकारात्मक सुझाव देते हुए सुधार के रास्ता बताये, जिससे शिक्षकों में आत्मविश्वास बढ़ा। इवे स्त्रह्म के उद्देश्य को जमीन स्तर के स्कूल के परिस्थिति से जोड़ के समझाये और बताये की कम संसाधन में भी कैसे प्रभावी तरीके से पढ़ाया लिखाया जा सकता है। मास्टर ट्रेनर के जीवन में संतुलन धेर्य, सहयोगी स्वभाव और विषय पर मजबूत पकड़ प्रशिक्षण को बहुत उपयोगी और सार्थक बना दिये। पाँच दिवसीय नए पाठ्यपुस्तक आधारित स्त्रह्म प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु प्रशिक्षण प्रबंधन प्रभारी वारिश कुमार ,गजेंद्र नायक सर,टुकेश्वर साहू के प्रति सभी शिक्षको ने हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

बेटी छाया की आंखों से रौशन होगी, किसी की अंधेरी दुनिया

नेत्रदान महादान के निमित्त विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के परिवार का बड़ा फैसला

मेरा समर्पण ऐसा हो कि मर कर भी कुछ काम आ सकूं...

बसना (समय दर्शन)। इन पंक्तियों को अक्षरशः जीवंत करते हुए बसना के प्रतिष्ठित अग्रवाल परिवार ने शोक की इस अत्यंत कठिन घड़ी में मानवता की एक ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी चर्चा आज हर जुबान पर है। बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के भ्राता एवं अग्रवाल सभा अध्यक्ष रामचंद्र अग्रवाल तथा अखिल भारतीय महिला सम्मेलन की कोषाध्यक्ष श्रीमती अनीता अग्रवाल की सुपुत्री छाया अग्रवाल का दिनांक 10 जनवरी 2026 को असामयिक निधन हो गया। अपनी संतान को खोने के अपार दुख के बीच भी, माता-पिता ने समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व को प्राथमिकता दी और अपनी लाड़ली की स्मृति को अमर बनाने के लिए उसके नेत्रदान का साहसिक निर्णय लिया।

परिजनों की इच्छा और सहमति के पश्चात, विशेषज्ञों व चिकित्सकों के दल ने पूरे सम्मान के साथ दिवंगत छाया के दोनों नेत्र सुरक्षित रूप से प्राप्त किए। चिकित्सकों के अनुसार, इन नेत्रों के माध्यम से दो ऐसे व्यक्तियों के जीवन में पुनः प्रकाश लौट सकेगा, जो वर्तमान में दृष्टिहीनता के कारण अंधेरी दुनिया में जीने को मजबूर हैं।

नेत्रदान को 'महादान' की श्रेणी में रखा गया है, लेकिन शोक के समय भावुकता से ऊपर उठकर इस संकल्प को निभाना अत्यंत कठिन होता है। श्री रामचंद्र अग्रवाल और श्रीमती अनीता अग्रवाल के इस निर्णय ने न केवल अपनी पुत्री को एक गरिमामयी विदाई दी है, बल्कि भविष्य के लिए एक नई राह भी दिखाई है। अब छाया की आंखों से कोई और इस खूबसूरत दुनिया को देख पाएगा और नए सपने बुन सकेगा।

इस महान कार्य के लिए क्षेत्र के प्रबुद्धजनों और सामाजिक संगठनों ने अग्रवाल परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें कोटि-कोटि नमन किया है। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत पुण्यात्मा को श्रीहरि अपने श्रीचरणों में (बैकुंठ) स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें।

छाया भले ही आज हमारे बीच शारीरिक रूप से नहीं हैं, लेकिन उनकी दृष्टि इस संसार में सदैव जीवित रहेगी।

विधायक भावना बोहरा के प्रयासों और जनसेवा से पंडरिया विधानसभा विकास का नए अध्याय लिख रहा- अरुण साव

पंडरिया विधानसभा में लगभग 20 करोड़ के विकास कार्य समर्पित -भावना बोहरा

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया विधानसभा के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए आज ऐतिहासिक क्षण रहा। आज पीएमश्री स्वामी आत्मानंद स्कूल मैदान में आयोजित समारोह में लगभग 10,000 से अधिक की संख्या में जनता उपस्थित रही और पंडरिया के विकास के एक नए अध्याय की साक्षी बनी। मुख्य अतिथि एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने नगर पालिका परिषद पंडरिया एवं नगर पंचायत पांडातराई अंतर्गत ?19 करोड़ 94 लाख 75 हजार रुपए के विभिन्न विकास एवं अधोसंरचना निर्माण कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन कर जनता को समर्पित किया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने विधायक भावना बोहरा की अनुशंसा पर नगर पालिका पंडरिया को 2 करोड़ और नगर पंचायत पांडातराई एवं इंदौरी के सर्वांगीण विकास के लिए 1-1 करोड़ रुपए के सौगात की घोषणा की और अन्य मांगों को भी पूरा करने हेतु आश्वस्त किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि विधायक भावना बोहरा ने जनसेवा को अपना संकल्प बनाया है। उनके निरंतर प्रयासों और सक्रियता से पंडरिया विधानसभा विकास के नए अध्याय लिख रहा है। बेटियों की शिक्षा के लिए 8 निःशुल्क बस सेवा, आपातकालीन सेवा हेतु 8 निःशुल्क एमबुलेंस, गांव-गांव स्वास्थ्य जांच हेतु निःशुल्क मोबाइल हेल्थ पैथ लैब, युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग सेंटर और जनता की सेवा, सुविधा एवं विकास के प्रति उनके समर्पण ने ही उन्हें उत्कृष्ट विधायक और एमबुलेंस वाले दीदी की उपाधि दी है। विधायक भावना बोहरा जो 24 घंटे आपकी सेवा में जुटी हुईं हैं। मैं बचपन से पंडरिया आ रहा हूँ लेकिन आज यहां उपस्थित जनसैलाब पंडरिया के इतिहास में पहली बार देख रहा हूँ। विधायक भावना ने कहा कि पंडरिया विधानसभा की सेवा और क्षेत्र की जनता ने जो विकास का अवसर मुझे दिया है वह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। आज 19 करोड़ से अधिक के विकास कार्य मैं क्षेत्र की जनता को समर्पित करती हूँ। आपके विश्वास और सहयोग से ही हम विकास की इस यात्रा को और गति दे पा रहे हैं। मेरा संकल्प है कि पंडरिया के प्रत्येक गांव, हर बस्ती और वनांचल क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचे। आज जिन कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण हुआ है उनमें सड़क निर्माण, पेयजल आपूर्ति योजनाएँ, अधोसंरचना विकास, नगरपालिका भवन सह व्यावसायिक परिसर, चौक-चौराहों का विकास, नवीन तहसील भवन तथा अन्य सार्वजनिक सुविधाएँ शामिल हैं। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र में रोजगार, व्यापारिक गतिविधियाँ और आम जनजीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। मैं इस सौगात के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जी का आभार व्यक्त करती हूं और पंडरिया विधानसभा के आप सभी मेरे परिवारजनों को बधाई देती हूं।

संक्षिप्त-खबर

आल इंडिया बंजारा सेवा संघ कर्मचारी अधिकारी प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़ के प्रदेश महासचिव बने मूछावड

बसना (समय दर्शन)। ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर टी.सी राठौर एवं आल इंडिया बंजारा सेवा संघ छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष अजय नायक .एवं कर्मचारी /अधिकारी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर शिवरतन नायक के द्वारा प्रदेश पदाधिकारियों की घोषणा की गई। जिसमें मनोज मुछावड को प्रदेश महासचिव का दायित्व सौंपा गया है । प्रदेश महासचिव बनने के बाद मनोज मूछावड़ ने संगठन को मजबूत कर समाज में राजनीतिक समाजिक सक्रियता से कार्य करने एवं बंजारा समाज के सभी वर्ग के लोगों को साथ में लेकर कार्य करने की बात कही। मुछावड ने प्रदेश अध्यक्ष अजय नायक. एवं डॉक्टर शिवरतन नायक तथा शीर्ष नेतृत्व को आभार प्रकट की।

आर टी ओ चेकपोस्ट में बसों में अग्निशमन यंत्रों और सुरक्षा उपायों की सघन जांच

सरायपाली (समय दर्शन)। यात्रियों की सुरक्षा एवं सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु जनवरी माह को सड़क सुरक्षा माह के रूप में मनाया जा रहा है ।पिछले कुछ समय से विभिन्न स्थानों में विशेषकर पर्यटक परमिट में चलने वाले यात्री बसों में सड़क दुर्घटनाओं में भारी इजाफा हुआ है जिसमे जान माल की अत्यधिक हानि हुआ है ।ऐसी बसों में दुर्घटनाओं को कम करने और उससे होने वाले नुकसान को कम करने के लिए खम्हारपाली परिवहन चेकपोस्ट में बसों में लगे सुरक्षा उपायों विशेषकर अग्निशमन यंत्र, प्राथमिक उपचार पेटी, आपातकालीन दरवाजों की जांच की जा रही है ।बसों में रखे गए अग्निशमन यंत्रों की वैधता की जांच की गई। आपातकालीन दरवाजों को खोलने बंद करने के बारे में चालक परिचालको को बताया जा रहा है और उनसे ही खोलना बंद करना कराया जाकर जानकारी दी जा रही है, बसों में प्राथमिक उपचार पेटी और उसमे रखे चिकित्सा सामग्री की जांच की जा रही है ।यात्रियों की सुरक्षा और दुर्घटनाओं में कमी लाने चेकपोस्ट से गुजरने वाले सभी वाहनो को यातायात नियमों का पालन करने ,सुरक्षित गति से वाहन चलाने के बारे में जागरूक किया जा रहा है ।चालको से अपील की जा रही है कि खुद भी वाहन निर्धारित गति से चलाए और अपने साथियों को भी प्रेरित करें ।निर्धारित मानदंडों को पूरा न करने सुरक्षा उपायों में खामी पाए जाने पर लगभग 30 बसों में कार्यवाही की गई । ये कार्यवाही पूरे माह भर लगातार जारी रहेगी। सभी वाहन चालकों बस संचालकों को इस बारे में सूचित किया जा रहा है कि अपने बसों में सभी आवश्यक सुरक्षा उपकरण आपातकालीन दरवाजे दुरुस्त करवा लें।

ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा: अतिरिक्त अनुदान से किसानों की आय बढ़ाने की पहल

मुंगेली(समय दर्शन)। खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाने तथा किसानों की आय में दीर्घकालीन और स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संयुक्त रूप से नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल-ऑयल पाम योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत ऑयल पाम की खेती को प्रोत्साहित करने हेतु केंद्र सरकार के अनुदान के अतिरिक्त राज्य शासन द्वारा विभिन्न घटकों में टॉप-अप अनुदान प्रदान किया जा रहा है, जिससे किसानों को आर्थिक संबल मिल सके। सहायक संचालक उद्यानिकी सुश्री भगवती साहू ने बताया कि ऑयल पाम की खेती में प्रारंभिक लागत अधिक होने तथा 03 से 04 वर्षों की गेस्टेशन अवधि को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन द्वारा विशेष सहायता का प्रावधान किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा देय न्यूनतम 1.30 लाख प्रति हेक्टेयर अनुदान के अतिरिक्त राज्य शासन किसानों को टॉप-अप अनुदान प्रदान कर रहा है।

निधन : श्रीमती तेरसबाई साहू

बिर्रा। समीपस्थ ग्राम पंचायत घिवरा के पूर्व सरपंच संतराम साहू की धर्मपत्नी श्रीमती तेरसबाई साहू उम्र 76 वर्ष का निधन हो गया है। उनका अंतिम संस्कार शाम 4 बजे स्थानीय मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे रामकृष्ण साहू की माता थी। अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गईं हैं।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26